RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 170 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 14-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 योगी की चेतावनी : अगर महिलाओं के खिलाफ अपराध किया तो होगी यमराज से मुलाकात

मकर संक्रांति और पोंगल पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

7 मां अंबा के चरणों में समर्पित दिखे सिंगर कैलाश खेर

फर्स्ट टेक

अगर सुप्रीम कोर्ट ने 'टैरिफ' को रद्द किया, तो गड़बड़ हो जाएगी : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर सुप्रीम कोर्ट यह फैसला सुनाता है कि उनके पास व्यापक शुल्क लगाने की एकतरफा शक्ति नहीं है, तो ''बहुत बड़ी गड़बड़ हो जाएगी, और हमारे देश के लिए उन पैसों को चुकाना लगभग असंभव हो जाएगा'', जो अमेरिका ने व्यापक 'टैरिफ' से एकत्र किए हैं। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि अगर अदालत उनके द्वारा लगाए गए 'टैरिफ' को रद्द कर देती है, तो ''हम बुरी तरह फंस जाएंगे''। ट्रंप ने अदालत के आसन्न फैसले के बारे में सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट किए हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में यह भी जिक्र किया कि सरकार के लिए पैसा वापस करना कितना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने शुल्क का पैसा वापस करने के बारे में कहा, ''यह संभव नहीं हो सकता।'' ट्रंप ने कहा कि लेकिन, ''अगर ऐसा हुआ, तो यह इतनी बड़ी रकम होगी कि यह पता लगाने में कई साल लग जाएंगे कि हम किस संख्या की बात कर रहे हैं और यहां तक कि किसे, कब और कहां भुगतान करना है।''

सूर्यास्त 14-01-2026	सूर्योदय 15-01-2026
6:00 बजे	6:35 बजे

BSE	NSE
83,627.69	25,732.30
(-250.48)	(-57.95)

सोना	चांदी
14,676 रु.	292,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ज्वलंत प्रश्न

होते हैं डेमोक्रेसी में,
अधिकार सभी के ही समान।
ना जाति वर्ग से होता है,
नीचा-ऊंचा लघु या महान।
वोटों के लालच में फिर क्यों,
इंसानों को देते निशान।
है कौन दलित सचमुच में अब,
इस पर लाओ बिल या विधान।।

आसान नहीं है भारत के सनातन धर्म और संस्कृति को मिटाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बार-बार किए गए विनाश के प्रयासों के बावजूद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का उदाहरण देते हुए मंगलवार को कहा कि भारत के सनातन धर्म, संस्कृति और लोगों की आस्था को मिटाना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि मंदिर पर हमला करने वाले लोग अंततः मिट गए, लेकिन मंदिर आज भी गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में समुद्र तट पर उसी स्थान पर शान से खड़ा है। गांधीनगर जिले के मानसा में 267 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद शाह एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 जनवरी को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का उद्घाटन किया था। महमूद गजनी ने 1,000 वर्ष पहले सोमनाथ मंदिर पर पहला हमला किया था।

शाह ने कहा कि 1000 साल बाद और 16 बार नष्ट होने के बावजूद, सोमनाथ मंदिर अभी भी शान से खड़ा है और उसका ध्वज आसमान में लहरा रहा है। उन्होंने कहा कि वहां एक भव्य सोमनाथ कॉरिडोर का निर्माण भी किया जा रहा है। शाह ने कहा, ''यह पूरी दुनिया को संदेश है कि भारत के सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और भारतीय लोगों की आस्था को मिटाना इतना आसान नहीं है। यह सूर्य और चंद्रमा की तरह शाश्वत और अमर है। यह सोमनाथ मंदिर भारत की आस्था, विश्वास और गौरव का प्रतीक है।''

प्रधानमंत्री ने लोहड़ी के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को लोहड़ी पर्व के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं

दीं और उम्मीद जतायी कि यह त्योहार समाज में खुशी और आशावाद की भावना को और गहरा करेगा। लोहड़ी फसल उत्सव मुख्य रूप से उत्तर भारत में मनाया जाता है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, लोहड़ी के शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। लोहड़ी प्रकृति का उत्सव है और कृतज्ञता व्यक्त करने का प्रतीक है। यह विशेष त्योहार हमारे समाज में खुशी और आशावाद की भावना को और गहरा करे! लोहड़ी की उष्मा हम सभी को नई आशा और सद्भाव से भर दे!

मकर संक्रांति

मंगलवार को नादिया में 'तुसु' पर्व (जिसे मकर संक्रांति भी कहा जाता है) से पहले आदिवासी समुदाय के लोग पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत करते हुए।

सरकार चलाने वाले लोकतांत्रिक ढांचे और जनता की आवाज पर कर रहे हैं हमला : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदगमंडलम/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे और जनता की आवाज पर केंद्र सरकार चलाने वालों द्वारा हमला किया जा रहा है।

गुडलूर में एक स्कूल के कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे गांधी ने छात्रों के साथ बातचीत में कहा कि वह एक ऐसे भारत का निर्माण करना चाहते हैं जहाँ लोग एक-दूसरे के प्रति दयालु हों, एक-दूसरे की बात सुनें, एक-दूसरे की परंपराओं का सम्मान करें, एक-दूसरे की भाषाओं का सम्मान करें, एक-दूसरे के धर्मों का सम्मान करें और एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति रखें। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक नेता, छात्र या शिक्षक के लिए सबसे महत्वपूर्ण मूल्य विनम्रता है, और ''इसलिए मैं यहां उपस्थित सभी बच्चों को विनम्र रहने की सलाह दूंगा।''

इस अवसर पर एक छात्र द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र का अर्थ है कि आपको अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए, मुझे अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए, इन सभी लोगों को अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''मैं कहता आ रहा हूँ कि हमारे लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला हो रहा है और इसलिए हमारी आवाज़, हमारे लोगों की आवाज़ पर हमला हो रहा है। और यह हमला सरकार में बैठे लोगों द्वारा किया जा रहा है। उन लोगों द्वारा जो वास्तव में सरकार चला रहे हैं।'' गांधी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग और कई अन्य संस्थानों पर हमला हो रहा है।

पश्चिमी मोर्चे पर किसी भी दुस्साहस से सख्ती से निपटा जाएगा : सेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा पर स्थिति ''स्थिर है, लेकिन निरंतर निगरानी की आवश्यकता है।'' उन्होंने पश्चिमी क्षेत्र में किसी भी ''दुस्साहस'' के खिलाफ पाकिस्तान को सख्त चेतावनी भी दी। जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवाद के खिलाफ सीमा पार भारत की ''कड़ी'' प्रतिक्रिया ने रणनीतिक स्पष्टता प्रदान की और उनकी सेना ने पाकिस्तान

के साथ शत्रुता के बाद जमीनी हमलों की तैयारियों के तहत अग्रिम लामबंदी की थी।

सेना दिवस से पहले संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि सैनिकों को मई के अंत तक वापस बुला लिया गया था, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि ''हमारी आंखें और कान खुले हैं'' और दुश्मन के ''किसी भी दुस्साहस से प्रभावी ढंग से निपटा जाएगा। सेना प्रमुख ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान दो अहम मोड़ का भी जिक्र किया - उनमें से एक 7 मई की सुबह आतंकी ठिकानों पर 22 मिनट का हमला था, जबकि दूसरा 10 मई को भारतीय सेना को दिए गए कुछ निर्देश थे कि यदि संघर्ष बढ़ता है तो क्या करना है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार कम से कम छह आतंकी शिविर और अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार दो आतंकी शिविर सक्रिय हैं, और अगर कोई भी नापाक गतिविधि अंजाम दी जाती है तो भारत कार्रवाई करेगा।

ईरान में विरोध प्रदर्शन

मरने वालों की संख्या 2,000 के पार

दुबई/एपी। ईरान में देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए लोगों की संख्या मंगलवार को बढ़कर कम से कम 2,003 हो गई। यह जानकारी सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दी। कार्यकर्ताओं ने कहा कि अधिकारियों द्वारा दमनकारी कार्रवाई के दौरान संचार व्यवस्था ठप कर दिए जाने के बाद ईरानियों ने कई दिनों में पहली बार विदेश में फोन कॉल किए। अमेरिका स्थित 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी' की रिपोर्ट के अनुसार, मृतकों की संख्या दशकों के दौरान ईरान में हुए किसी अन्य विरोध या अशांति की तुलना में कहीं अधिक है और यह देश में वर्ष 1979 की इस्लामी क्रांति के दौरान फैली अराजकता की याद दिलाती है।

गंगासागर मेला

मंगलवार को गंगासागर मेला 2026 के दौरान मकर संक्रांति स्नान की पूर्व संध्या पर दक्षिण 24 परगना के सागर द्वीप समुद्र तट पर भगवान शिव के रूप में सजे एक व्यक्ति।

डेनमार्क ने तेल टैंकर को रोकने में अमेरिकी सेना की मदद की

वाशिंगटन/एपी। डेनमार्क ने पिछले सप्ताह पूर्वी अटलांटिक सागर में प्रतिबंधों के उल्लंघन के लिए एक तेल टैंकर को रोकने में अमेरिकी सेना को सहायता प्रदान की। डेनमार्क सरकार के एक अधिकारी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। अधिकारी ने इस बारे में कोई विवरण देने से इनकार कर दिया कि अमेरिकी सेना को किस तरह की मदद पहुंचाई गई। हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा ग्रीनलैंड पर नियंत्रण की इच्छा को लेकर दोनों सहयोगी देशों के बीच तनाव बना हुआ है। डेनमार्क द्वारा अमेरिकी सेना को प्रदान की गई सहायता की स्वीकृति ऐसे समय आई है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर अमेरिका के कब्ज़े की मांग को दोहराया है। आर्कटिक का यह विशाल द्वीप डेनमार्क का अर्द्ध-स्वायत्त क्षेत्र है। अमेरिकी सेना कैरेबियन सागर से इस टैंकर पर नजर रखे हुए थी जिसे अटलांटिक महासागर में रोक दिया गया। वेनेज़ुएला में आने-जाने वाले प्रतिबंधित जहाजों को पकड़ने के उद्देश्य से उसके जलक्षेत्र में नाकाबंदी के तहत यह कार्रवाई की गई।

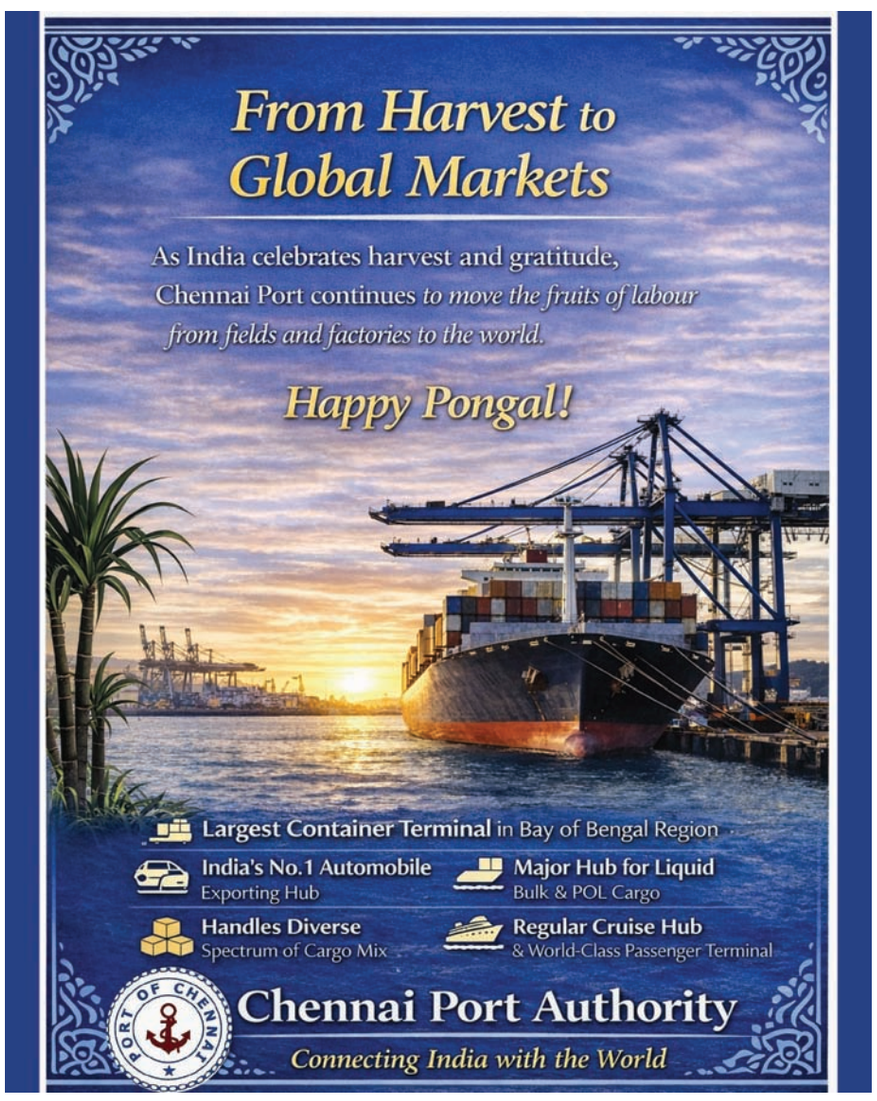

सरकार गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि सरकार देश के प्रत्येक नागरिक, विशेष रूप से दूरदराज और द्वीपीय क्षेत्रों में रहने वालों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने लक्षद्वीप के कवरत्ती स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल में भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित लगभग एक सप्ताह तक चलने वाले संयुक्त सेवा बहु-विशेषज्ञता शिविर को डिजिटल माध्यम से संबोधित किया, जो 12 से 16 जनवरी तक इस केंद्र शासित प्रदेश में पहली बार आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''सरकार देश के प्रत्येक नागरिक को, विशेष रूप से दूरदराज और द्वीपीय क्षेत्रों में रहने वालों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।''

सिंह ने इस पहल को समुद्री सुरक्षा से परे राष्ट्र निर्माण और मानवीय सहायता में नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका का एक ''शानदार उदाहरण'' बताया और कहा कि इस शिविर के माध्यम से, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं की त्रि-सेवा टीम ने उन्नत सुविधाएं और विशेषज्ञ देखभाल सीधे लोगों के घर तक पहुंचाई हैं, जिसमें नियोजित सर्जरी और मोतियाबिंद के ऑपरेशन जैसी सेवाएं शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''केवल दो दिनों में लगभग नेत्र सर्जरी करना शिविर की एक प्रमुख विशेषता है, जिसमें दिल्ली के आर्मी हॉस्पिटल (रिसर्च एंड रेफरल) के विशेषज्ञों द्वारा द्वीप के निवासियों को विश्व स्तरीय नेत्र चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई है।

पोंगल

चेन्नई में मंगलवार को छात्रों ने जानकी कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड साइंस फॉर विमेन में 'पोंगल' त्योहार मनाते हुए।

कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए राज्यों को भारी मुआवजा देने का निर्देश देंगे : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने पिछले पांच वर्षों में आवारा पशुओं से संबंधित नियमों के क्रियान्वयन के लिए कोई कदम नहीं उठाए जाने पर चिंता व्यक्त की और मंगलवार को कहा कि वह कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए राज्यों को भारी मुआवजा देने का आदेश देगा।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए कुत्ता प्रेमियों और उन्हें खाना खिलाने वालों को भी जिम्मेदार और जवाबदेह ठहराया जाएगा।

न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, कुत्तों के काटने से बच्चों या बुजुर्गों की मृत्यु या चोट के हर मामले के लिए हम राज्य सरकारों से भारी मुआवजा देने की मांग करेंगे क्योंकि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में नियमों के कार्यान्वयन के संबंध में कुछ नहीं किया है। साथ ही, इन आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों की भी जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाएगी। अगर आपको इन जानवरों से इतना प्यार है तो आप उन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते? ये कुत्ते इधर-उधर क्यों घूमते हैं, लोगों को काटते हैं और डराते हैं?

न्यायमूर्ति मेहता ने न्यायमूर्ति नाथ के विचारों से सहमति जताते हुए कहा, जब कुत्ते नौ साल के बच्चे पर हमला करते हैं तो किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? वह संगठन जो उन्हें खाना खिला रहा है, उसे? आप चाहते हैं कि हम इस समस्या से आंखें मूंद लें।

उच्चतम न्यालय सात नवंबर, 2025 के अपने उस आदेश में संशोधन के अनुरोध वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें अधिकारियों को सार्वजनिक स्थानों और सड़कों से इन आवारा जानवरों को हटाने का निर्देश दिया गया था।

न्यायालय ने कहा कि सबसे अजीब बात यह है कि गुजरात के एक वकील को एक पार्क में कुत्ते ने काट लिया और जब नगर निगम के अधिकारी उस जानवर को पकड़ने गए, तो खुद को कुत्ता प्रेमी बताने वाले वकीलों ने नगर निगम के अधिकारियों पर हमला कर दिया।

शीर्ष अदालत ने यह भी खेद जताया कि पिछले चार दिनों से वह इस मुद्दे पर दलीलें सुन रही है, लेकिन कार्यकर्ताओं और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के हस्तक्षेप के कारण वह मामलों में आगे नहीं बढ़ पाई और केंद्र तथा राज्य सरकारों के पक्ष को भी नहीं सुन सकी।

सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा, हम सभी वकीलों से अनुरोध करते हैं कि वे हमें केंद्र, राज्य सरकारों और अन्य संबंधित निकायों की जवाबदेही तय करने दें हमें आदेश पारित करने दें। हमें राज्यों और केंद्र के साथ आधा दिन बिताने की जरूरत है, ताकि यह देखा जा सके कि उनके पास कोई कार्ययोजना है या नहीं। समस्या हजार गुना बढ़ चुकी है। हम सिर्फ वैधानिक प्रावधानों के क्रियान्वयन की मांग कर रहे हैं। हमें यह करने दें। हमें काम करने दें। हमें आगे बढ़ने दें।

शीर्ष अदालत ने नौ जनवरी को कहा था कि वह कथित तौर पर कुत्तों को खाना खिलाने वाली महिलाओं और उनकी देखभाल करने वाली महिलाओं के उत्पीड़न के आरोपों पर विचार नहीं करेगी, क्योंकि यह कानून और व्यवस्था का मुद्दा है और पीड़ित व्यक्ति इसके बारे में प्राथमिकी दर्ज करा सकते हैं।

शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे पर महिलाओं के बारे में की गई कुछ अपमानजनक टिप्पणियों से संबंधित दावों पर भी विचार करने से इनकार कर दिया।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध मानवता के लिए बड़ा खतरा, इससे निपटने के लिए एक कार्ययोजना की आवश्यकता: शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) मानवता के लिए एक बहुत बड़ा खतरा है और विशेषज्ञों को इस बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

गुजरात जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र की 'बीएसएल-4 बायो-कंटेनमेंट' प्रतिष्ठान की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि एएमआर एक मूक आपदा है, और लोगों के बीच चिकित्सा साक्षरता, अनुसंधान एवं जागरूकता की आवश्यकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, रोगाणुरोधी प्रतिरोध तब होता है जब जीवाणु, विषाणु, कवक और परजीवी रोगाणुरोधी दवाओं के खिलाफ प्रतिरोध उत्पन्न कर लेते हैं। इससे उन पर दवाओं का कोई असर नहीं पड़ता तथा उपचार मुश्किल हो जाता है।

शाह ने कहा, एएमआर का अर्थ है- एंटीबायोटिक दवाओं के खिलाफ विकसित प्रतिरोधक क्षमता। यह आज हमारे समाज और मानवता के लिए एक बड़ा खतरा है। यह एक तरह से मूक आपदा है। एएमआर का अर्थ है एंटीबायोटिक दवाओं की प्रभावशीलता में कमी या पूर्ण रूप से उनका निष्प्रभावी हो

जाना। उन्होंने एंटीबायोटिक प्रतिरोध (एएमआर) के तीन मुख्य कारण बताए: एंटीबायोटिक दवाओं का पूरा कोर्स न लेना, चिकित्सकों द्वारा उचित निदान के बिना एंटीबायोटिक दवाएं लिखा जाना और डॉक्टर की सलाह के बिना एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग करना।

शाह ने कहा, मेरा मानना है कि एंटीबायोटिक प्रतिरोध (एएमआर) न केवल व्यक्तियों के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए एक गंभीर खतरा है। यदि हम एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग से मानव शरीर की मरम्मत करने की क्षमता को कमजोर करते हैं, तो हम बीमारियों को नियंत्रित नहीं कर पाएंगे। इस विज्ञान को और अधिक सटीक एवं मजबूत बनाने के लिए आगे अनुसंधान की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एएमआर का खतरा 'ऊर्ध्वाधर संचरण' तक फैला हुआ है क्योंकि यह एक गर्भवती महिला से उसके बच्चे में फैल सकता है।

गृह मंत्री ने कहा, इसलिए, हमें एंटीबायोटिक प्रतिरोध (एएमआर) से निपटने के लिए एक रोडमैप की आवश्यकता है। हमें चिकित्सा साक्षरता और अनुसंधान की आवश्यकता है, और लोगों को इसके खतरों के बारे में शिक्षित करने की आवश्यकता है। आज मेरे सामने बैठे छात्रों का यही लक्ष्य होना चाहिए। हमारा लक्ष्य संक्रमण को रोकना और आने वाली पीढ़ियों के लिए एंटीबायोटिक दवाओं को सुरक्षित रखना भी होना चाहिए।

शाह ने कहा कि गुजरात बीएसएल-4 प्रतिष्ठान स्थापित करने वाला पहला राज्य बन गया है, जहां वैज्ञानिक संक्रामक विषाणुओं पर अनुसंधान कर सकते हैं।

बीएसएल-4 (बायोसेफ्टी लेवल 4) गंभीर या घातक बीमारियों का कारण बन सकने वाले उन खतरनाक और संक्रामक सूक्ष्मजीवों से निपटने के लिए जैव सुरक्षा का उच्चतम स्तर है, जिनके लिए कोई टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है।

शाह ने कहा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी को केवल अनुसंधान एवं विकास तक सीमित नहीं रखना चाहिए। बल्कि, यह राष्ट्र के समग्र विकास की आधारशिला होनी चाहिए। और आज हम उस दिशा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। एक तरह से, पुणे में विषाणु विज्ञान संस्थान के बाद, यह भारत की दूसरी ऐसी उच्च प्रौद्योगिकी वाली प्रयोगशाला होगी। उन्होंने कहा कि यह किसी राज्य सरकार द्वारा निर्मित की जा रही इस प्रकार की पहली प्रयोगशाला है और इसका श्रेय गुजरात को जाता है। शाह ने कहा, भारत की जैव सुरक्षा के लिए यहां 362 करोड़ रुपए की लागत से 11,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल में एक मजबूत किला तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हालांकि भारत इस क्षेत्र में कई वर्षों तक कुछ हद तक पिछड़ा रहा, लेकिन यह नई सुविधा इस क्षेत्र में काम करने वाले युवा प्रतिभाओं को एक नया अवसर प्रदान करेगी और भारत अंततः इस क्षेत्र में आगे बढ़ेगा।

शाह ने कहा, यह सुविधा वैज्ञानिकों को पूरी तरह से सुरक्षित वातावरण में अत्यधिक संक्रामक विषाणुओं पर अनुसंधान करने के लिए एक मंच प्रदान करेगी। यहां का बुनियादी ढांचा दुनिया भर की सर्वश्रेष्ठ बीएसएल-4 प्रयोगशालाओं का अध्ययन करने के बाद बनाया गया है।

प्रदर्शन

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सनी जोसेफ, केरल विधानसभा में डेझ और पार्टी नेता वीडी सतीशन, पार्टी नेता रमेश चेन्निथला, दीपा दासमुंशी और अन्य लोग मंगलवार को तिरुवनंतपुरम में केरल लोक भवन के सामने केंद्र द्वारा कथित रूप से कमजोर करने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

विरोध

कोलकाता में अलग-अलग संगठनों द्वारा आयोजित वेनेजुएला में अमेरिकी हमले और साम्राज्यवाद के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान एक पुतला जलाते हुए।

आंध्र प्रदेश : सीआईडी ने एपीएसएसडीसी घोटाला मामले में दी मुख्यमंत्री नायडू को क्लीनचिट

अमरावती/भाषा। विजयवाड़ा की एक अदालत ने आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम (एपीएसएसडीसी) की धनराशि की हेराफेरी में कथित संलिप्तता को लेकर मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के विरुद्ध दर्ज किए गए मामले को बंद कर दिया है।

आरोप है कि इस हेराफेरी के कारण राज्य के खजाने को 300 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ था।

इस मामले में नायडू ने राजामहेंद्रवरम केंद्रीय जेल में 50 दिनों से अधिक समय बिताया था, जिसके बाद आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने 31 अक्टूबर, 2023 को उन्हें जमानत दे दी थी।

आंध्र प्रदेश के महाधिवक्ता दम्मलपति श्रीनिवास ने कहा कि जांच एजेंसी सीआईडी (अपराध जांच विभाग) ने मुख्यमंत्री की कोई संलिप्तता नहीं पाई और तदनुसार अदालत के समक्ष एक 'मेमो' दाखिल किया गया, जिसे न्यायिक अधिकारी ने स्वीकार कर लिया।

श्रीनिवास ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, जांच पूरी होने के बाद, एजेंसी ने यह कहते हुए मामले को बंद करने के लिए एक रिपोर्ट दाखिल की कि नायडू की भूमिका के संबंध में मामले में कोई ठोस सबूत नहीं है। अदालत ने सोमवार को इसे स्वीकार कर लिया। नायडू को इस मामले में नौ सितंबर, 2023 को गिरफ्तार किया गया था, जब वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी राज्य के मुख्यमंत्री थे।

नायडू की गिरफ्तारी के बाद, तत्कालीन सीआईडी प्रमुख एन संजय ने कहा था कि जांच में सामने आया है कि नायडू और उनकी तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) को पैसे की कथित हेराफेरी से लाभ पहुंचा । आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम का मामला उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) के समूह स्थापित करने से संबंधित है, जिसकी कुल परियोजना लागत 3,300 करोड़ रुपए अनुमानित थी। संजय ने कहा था कि लेकिन इससे राज्य सरकार को कथित तौर पर 300 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। उन्होंने यह भी कहा था कि परियोजना से संबंद्ध निजी संस्थाएं कोई भी पैसा खर्च करती, उससे पहले ही राज्य सरकार ने 371 करोड़ रुपए का अग्रिम भुगतान जारी किया, जो उसकी वित्तीय प्रतिबद्धता का 10 प्रतिशत था।

संजय के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा जारी की गई धनराशि फर्जी बिल के माध्यम से फर्जी कंपनियों को अंतरित कर दी गई, जबकि उल्लेखित वस्तुओं की कोई वास्तविक आपूर्ति या बिक्री ही नहीं हुई । बताया जाता है कि इनमें से कुछ फर्जी कंपनियां सिंगापुर में स्थित थीं। संजय ने दावा किया था कि गवाहों और अन्य आरोपियों पर नायडू का प्रभाव रिकॉर्ड पर आ चुका है, जिससे उनकी स्थिति को देखते हुए उनकी गिरफ्तारी आवश्यक हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया था कि पूर्व मुख्यमंत्री जांच में बाधा डालने और सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश कर रहे हैं। नायडू के मुख्यमंत्री बनने के बाद, संजय को इस मामले से संबंधित सार्वजनिक धन के गबन और दुरुपयोग के आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। बाद में उन्हें जमानत मिल गई। इस बीच, वाईएसआरसीपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री के. कन्नाबाबू ने तेदेपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार पर नायडू के खिलाफ दर्ज मामलों को जांच एजेंसियों को प्रभावित कर व्यवस्थित रूप से बंद करने का आरोप लगाया।

दिल्ली पुलिस ने चीन से संचालित अंतरराज्यीय साइबर गिरोह का किया भंडाफोड़, आठ गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर और देश के कई हिस्सों में सक्रिय एक साइबर अपराध गिरोह से कथित तौर पर जुड़े आठ लोगों को गिरफ्तार किया है और लगभग 15 करोड़ रुपए के संदिग्ध वित्तीय लेनदेन का पता लगाया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा, इस गिरोह को चीन स्थित संचालकों द्वारा सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से नियंत्रित किया जा रहा था, जहां बैंक से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा की जाती थी और ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) उपयोगकर्ता को प्राप्त न हो इसके लिए हानिकारक एपीके फाइलों का इस्तेमाल किया जाता था। उन्होंने बताया कि आरोपी कथित तौर पर साइबर ठगी से हासिल रकम के अंतरण के लिए 'म्यूल' बैंक खातों का उपयोग करते हुए एक बहु-स्तरीय नेटवर्क संचालित कर रहे थे। 'म्यूल' खाते वे बैंक खाते होते हैं जिनका इस्तेमाल अपराधी, चोरी किए गए या अवैध धन (जैसे ऑनलाइन धोखाधड़ी, मानव तस्करी से मिले पैसे) को छिपाने और एक जगह से दूसरी जगह अंतरित करने के लिए करते हैं, ताकि पैसे के असली स्रोत का पता न चले।

अधिकारी के अनुसार, इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 4.70 लाख रुपए नकद, 14 मोबाइल फोन, 20 सिम कार्ड और सात डेबिट कार्ड बरामद किए। उन्होंने बताया कि यह मामला तब सामने आया जब तमिलनाडु की एक महिला ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत दर्ज कराई।

महिला ने बताया कि पिछले साल सितंबर में उसके बैंक खाते से धोखाधड़ी कर 6,000 रुपए निकाल लिए गए थे।

पुलिस के अनुसार, पूर्वी दिल्ली की एक निजी बैंक शाखा में स्थित लाभार्थी खाते की जांच से पता चला कि यह गाजियाबाद निवासी द्वारा संचालित एक 'म्यूल' खाता था।

पुलिस ने बताया कि जांच के बाद पांडव नगर पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी और उसके सहयोगी एक संगठित साइबर अपराध गिरोह का हिस्सा हैं, जिनके विभिन्न बैंकों में कम से कम 85 'म्यूल' बैंक खाते हैं और इन खातों से संबंधित अब तक 600 से अधिक एनसीआरपी शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं।

पुलिस ने बताया कि एक टीम ने बैंक से जुड़े दस्तावेजों, इंटरनेट बैंकिंग लॉग और आईपी एड्रेस का विश्लेषण किया और इस तकनीकी जांच के आधार पर आठ आरोपियों को दिल्ली, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, रामपुर और महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया गया।

मकर संक्रांति : पुराने अहमदाबाद शहर की छतों पर जीवंत हो उठता है उत्तरायण पर्व

अहमदाबाद/भाषा। पतंग उड़ाकर 'उत्तरायण' मनाने की तैयारी में अहमदाबाद के जुटने के बीच पुराने शहर में एक जानी-पहचानी परंपरा भी धीरे धीरे गति पकड़ लेती है और वह है छतों को विविध रंगों में सजाने और उन्हें किराए पर देने की परंपरा।हर साल, जैसे ही सर्दियों में आसमान पतंगों से भर जाता है, पुराने शहर की छतें उत्तरायण के उत्सव के लिए सजधज के साथ तैयार हो जाती हैं। उत्तरायण का उत्सव मकर संक्रांति के रूप में जाना जाता है, जो 14 जनवरी को पड़ता है। इस संक्रांति पर सूर्य उत्तर दिशा की ओर से यात्रा आरंभ करता है और यह ग्रीष्म ऋतु की ओर संक्रमण का प्रतीक है।

शहर के केंद्र में, 'पोल' कहे जाने वाले पुराने शहर के मोहल्लों-- खाडिया, रायपुर, सारंगपुर और अस्तोदिया की संकरी गलियों में 'काई पो चे (मैंने पतंग काट दी)' के उल्लासपूर्ण नारे गूंजने लगते हैं। यहां, छतें महज़ वास्तुशिल्पीय विशेषताएं नहीं रह जाती हैं। वे ऐसे मंच बन जाती हैं जहां यादें रची जाती हैं।

अहमदाबाद के पुराने शहर में उत्तरायण के दौरान छतों को किराए पर लेना एक पुरानी परंपरा है। एक दिन के लिए, ये छतें एक साझा स्थान में बदल जाती हैं, जहां मेजबान और मेहमान त्योहार को उसके सबसे प्रामाणिक रूप में मनाने के लिए एक साथ आते हैं।

इस अवसर को यादगार बनाने के लिए, छतों को सावधानीपूर्वक रंगा जाता है, उन्हें रंग-बिरंगे गुब्बारों, बारीक डोरी के काम और देशभक्ति से प्रेरित तिरंगे रंग की छतरियों से सजाया जाता है। आसमान रंगों और चहल-पहल से जीवंत हो उठता है। उत्तरायण के दौरान छत किराए पर देने वाले ट्रैवल एजेंट अजय मोदी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया,अहमदाबाद के लोग पॉश इलाकों में करोड़ों रुपए के अपार्टमेंट में रहते हैं और पुरानी परंपराओं और विरासत के साथ त्यौहार मनाने के लिए खुशी-खुशी भुगतान करते हैं। उन्होंने बताया कि उत्तरायण के लिए छत किराए पर लेने की लागत 10,000 रुपए से लेकर 80,000 रुपए (प्रति दिन) तक होती है, जो छत के आकार और उसमें शामिल होने वाले लोगों की संख्या पर निर्भर करती है। मोदी कहते हैं, अप्रवासी भारतीयों के बीच अपने गृह नगर में उत्तरायण का त्यौहार मनाने की अलग ही खुशी होती है। इसके जरिए वे अपनी जड़ों से भी जुड़ना चाहते हैं। लेकिन वह कहते हैं कि अमेरिका में कड़ी नीतियों के चलते एनआरआई लोग इस बार ज्यादा नहीं हैं।

बातचीत

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तमिलनाडु के नीलगिरी जिले में सेंट थॉमस इंग्लिश हाई स्कूल के गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन के दौरान स्टूडेंट्स से बातचीत करते हुए।

रोजगार की दिशा में बड़ा कदम, मुख्यमंत्री स्टालिन ने ट्रांसजेंडर युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने मंगलवार को एक अहम और सराहनीय कदम उठाते हुए सात ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। यह कदम प्रतीकात्मक रूप से तमिलनाडु होम गार्ड्स में 50 ट्रांसजेंडर युवाओं की औपचारिक भर्ती को दर्शाता है। आधिकारिक बयान के मुताबिक, इन चयनित उम्मीदवारों को राज्य के सहायक सुरक्षा बल में अपनी जिम्मेदारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है, ताकि वे पूरी क्षमता के साथ सेवा दे सकें। ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को होम गार्ड्स में शामिल करने का यह फैसला राज्य सरकार की वर्ष 2025 की ट्रांसजेंडर नीति के लागू होने के साथ ही किया गया है।

इस नीति का मकसद ट्रांसजेंडर समुदाय को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें विभिन्न सरकारी विभागों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। नीति में आत्म-पहचान के अधिकार को मान्यता दी गई है और उत्तराधिकार कानूनों में बदलाव की सिफारिश भी की गई है, ताकि ट्रांसजेंडर समुदाय को विरासत का अधिकार मिल सके। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 से अब तक राज्य सरकार 811 से ज्यादा ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को स्वरोजगार के लिए सहायता दे चुकी है। इसके तहत उन्हें 50 हजार रुपये तक की सब्सिडी दी गई, जिससे वे छोटे व्यवसाय या व्यापार शुरू कर सकें। इसके अलावा, सरकार ने ट्रांसजेंडर समुदाय की मासिक पेंशन बढ़ाकर 1,500 रुपये कर दी है। साथ ही, छात्रों को भी अब 'पुधुमई पेन' छात्रवृत्ति योजना के तहत हर महीने 1,000 रुपये की सहायता दी जा रही है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री स्टालिन ने पोंगल त्योहार को ध्यान में रखते हुए बढ़ी हुई 2,000 रुपये की वित्तीय सहायता के चेक भी वितरित किए। इस सहायता का लाभ मंदिरों में कार्यरत सेवानिवृत्त कर्मचारियों और पारिवारिक पेंशन पाने वालों सहित 12 लाभार्थियों को मिला, जो हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती (एचआर एंड सीई) विभाग से जुड़े हैं।

खास बात यह रही कि पहली बार कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) के जरिए पेंशन और पारिवारिक पेंशन पाने वाले लोगों को भी यह सहायता दी गई।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने राज्य के रोजगार क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों पर भी बात की। श्रम कल्याण और कौशल विकास विभाग की ओर से आयोजित मेगा निजी क्षेत्र रोजगार मेलों के माध्यम से उम्मीदवार को उन्होंने नियुक्ति आदेश सौंपा। ये रोजगार मेले युवाओं को निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों में नौकरी पाने का अवसर प्रदान करते हैं।

सरकार द्वारा दी जा रही यह वित्तीय सहायता जनवरी में आने वाले फसल उत्सव के मद्देनजर समय पर दी जा रही है। हाल ही में राज्य सरकार ने 3,000 रुपये की नकद सहायता और चावल, चीनी व गन्ने से भरे उपहार पैकेट भी वितरित किए हैं। इन राहत उपायों का लाभ राज्य के 2.2 करोड़ से अधिक राशन कार्ड धारकों को मिल रहा है, खासकर कम आय वाले परिवारों और किसानों को इससे बड़ी राहत मिल रही है।

राशनकार्ड धारकों को तीन हजार रुपये का पोंगल उपहार देगी पुडुचेरी सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी सरकार ने मंगलवार को घोषणा की कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत आने वाले 3.47 लाख परिवारों को तत्काल प्रभाव से पोंगल उपहार के रूप में 3,000 रुपये दिए जाएंगे। एक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के विभाग को निर्देश दिया है कि यह राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के जरिए लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा कराई जाए।

यह नकद सहायता पीडीएस कार्डधारकों को राशन दुकानों के माध्यम से दिए जाने वाले 750 रुपये मूल्य के मुफ्त पोंगल सामग्री पैकेट के अतिरिक्त होगी। प्रत्येक किट में चार किलोग्राम चावल, एक किलोग्राम नाटु शक्कर, एक किलोग्राम मूंग दाल, एक लीटर सूरजमुखी तेल और 300 ग्राम घी शामिल है। नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने 3,000 रुपये के पोंगल उपहार के भुगतान को मंजूरी दे दी है।

एसआरएम आईएसटी में उन्नत कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कट्टनकुलथुर। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएम-आईएसटी), कट्टनकुलथुर परिसर ने डिजाइन और निर्माण उद्योग में उन्नत कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन किया है। यह उद्योग-समर्थित पहल ऑटोडेस्क द्वारा संचालित है। यह केंद्र तमिलनाडु में तीसरा कौशल विकास केंद्र होने के साथ-साथ राज्य का पहला ऐसा केंद्र है जो सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग को शामिल करते हुए बहु-विषयक दृष्टिकोण अपनाता है। इस अवसर पर बोलते हुए, एसआरएमआईएसटी के कुलपति डॉ. सी. मुथमिज़्चेलवन ने कहा, यह केंद्र अकादमिक शिक्षा और वास्तविक दुनिया की उद्योग आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटेगा, जिससे हमारे छात्रों को वैश्विक प्रौद्योगिकी-संचालित कार्यबल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार किया जा सकेगा।

उद्घाटन समारोह में ऑटोडेस्क के वरिष्ठ अधिकारी अखिलेश साही, प्रमुख - एईएक्स इंडिया, अरुणकुमार, वरिष्ठ एंगेजमेंट एजुकेशन मैनेजर, और राघवेंद्र जयमंगल, कस्टमर सक्सेस मैनेजर, साथ ही डॉ. लीनियस जेसु मार्टिन एम, डीन, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, एसआरएमआईएसटी, और सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभागों के अध्यक्ष और प्रमुख उपस्थित थे।

नवस्थापित सुविधा छात्रों को ऑटोडस्क के उन्नत क्लाउड-आधारित प्लेटफार्मों तक पहुंच प्रदान करती है, जिससे उन्हें बिल्डिंग इंफॉर्मेशन मॉडलिंग (बीआईएम), डिजिटल विनिर्माण और एआई-संचालित डिजाइन अनुकूलन में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

इस पहल से सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग और मीडिया विज्ञान के छात्रों को लाभ होगा, और प्रतिवर्ष 2,000 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित किए जाने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, लगभग 100 संकाय सदस्यों को प्रतिवर्ष प्रमाणित मास्टर प्रशिक्षकों के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे कौशल विकास, उन्नत कौशल विकास और पुनः कौशल विकास के प्रयासों को मजबूती मिलेगी। बुनियादी ढांचे के अलावा, यह साझेदारी पाठ्यक्रम संवर्धन, संकाय विकास और उद्योग-संरेखित गहन शिक्षण कार्यक्रमों पर विशेष जोर देती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्र तेजी से विकसित हो रहे डिजाइन और निर्माण उद्योग की मांगों को पूरा करने के योग्य हो सके।

कमल के नाम को राजनीति से क्यों जोड़ा जाए : सुरेश गोपी

त्रिशूर/भाषा। केरल में स्कूल कला महोत्सव के आयोजन स्थलों के नाम फूलों के आधार पर रखे जाने को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने मंगलवार को सवाल उठाया कि शुरुआत में किसी भी स्थल का नाम 'कमल' पर क्यों नहीं रखा गया और फूल के नाम को राजनीति से क्यों जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने आयोजकों को किसी स्थल का नाम 'थमारा' (कमल) रखने से रोककर उन्हें गुमराह किया। बताया जाता है कि 24 केरल स्कूल कलोलसवम (कला महोत्सव) के सभी स्थलों के नाम फूलों पर रखे गए थे, लेकिन उनमें कमल' का नाम शामिल नहीं होने को लेकर भारतीय जनता पार्टी और उसके युवा संगठन ने विरोध प्रदर्शन किया था।

इन विरोध प्रदर्शनों के बाद सरकार ने कथित तौर पर एक स्थल का नाम बदलकर 'थमारा' कर दिया। पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री गोपी ने 14 से 18 जनवरी तक त्रिशूर में आयोजित हो रहे 'कलोलसवम' के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में पूछा कि कमल जैसे फूल के नाम को राजनीति से क्यों जोड़ा जाए? वह स्थल के नाम को लेकर उठे विवाद और उसका नाम 'थमारा' रखे जाने संबंधी सवाल का जवाब दे रहे थे।

सरकार चलाने वाले लोकतांत्रिक ढांचे और जनता की आवाज पर कर रहे हैं हमला : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदगमंडलम। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे और जनता की आवाज पर केंद्र सरकार चलाने वालों द्वारा हमला किया जा रहा है।

गुडलूर में एक स्कूल के कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे गांधी ने छात्रों के साथ बातचीत में कहा कि वह एक ऐसे भारत का निर्माण करना चाहते हैं जहाँ लोग एक-दूसरे के प्रति दयालु हों, एक-दूसरे की बात सुनें, एक-दूसरे की परंपराओं का सम्मान करें, एक-दूसरे की भाषाओं का सम्मान करें, एक-दूसरे के धर्मों का सम्मान करें और एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति रखें। उन्होंने कहा कि ''किसी भी राजनीतिक नेता, छात्र या शिक्षक के लिए सबसे महत्वपूर्ण मूल्य विनम्रता है, और इसलिए मैं यहां उपस्थित सभी बच्चों को विनम्र रहने की सलाह दूंगा।''

इस अवसर पर एक छात्र द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र का अर्थ है कि आपको अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए, मुझे अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए, इन सभी लोगों को अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''मैं कहता आ रहा हूँ कि हमारे लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला हो रहा है और इसलिए हमारी आवाज़, हमारे लोगों की आवाज़ पर हमला हो रहा है। और यह हमला सरकार में बैठे लोगों द्वारा किया जा रहा है। उन लोगों द्वारा जो वास्तव में सरकार चला रहे हैं।''

गांधी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग और कई अन्य संस्थानों पर हमला हो रहा है। उन्होंने कहा, ''वे उन लोगों को धमका रहे हैं जो उनकी विचारधारा से सहमत नहीं हैं। इसलिए, हमें आप जैसे बहादुर, आत्मविश्वासी और सवाल पूछने से न डरने वाले युवाओं की जरूरत है।''

गांधी ने कहा, ''भारत में अनेक धर्म, अनेक संस्कृतियाँ और अनेक भाषाएँ हैं और इन सभी का सम्मान किया जाना चाहिए। कोई भी व्यक्ति अपनी भाषा या धर्म का चुनाव कर सकता है, लेकिन किसी को भी किसी व्यक्ति को केवल इसलिए निशाना बनाने का अधिकार नहीं है कि आपको उसकी भाषा पसंद नहीं है, या किसी पर इसलिए हमला करने का अधिकार नहीं है कि आपको उसका धर्म पसंद नहीं है।'' किसी के व्यक्तित्व और उसकी कद-काठी से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में गांधी ने कहा, ''मुझ पर अक्सर हमले होते रहते हैं। आपने मेरे विरोधियों को मुझ पर हमला करते देखा होगा। मैं उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेता।''

अरावली पर्वत श्रृंखला से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, ''यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम विकास के लिए अपने पर्यावरण का बलिदान न करें... लोग अदूरदर्शी और लालची हो रहे हैं तथा फिर वे पर्यावरण को नष्ट कर रहे हैं, मुझे लगता है कि हमें संतुलन की आवश्यकता है और बहुत संवेदनशील होने की जरूरत है।'' महिलाओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने के विषय पर उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी दादी, मां और बहन से बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने महिलाओं को पुरुषों की तुलना में कहीं अधिक सक्षम, संवेदनशील और योग्य पाया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की दूरदृष्टि पुरुषों की तुलना में कहीं अधिक दीर्घकालिक होती है, और यह बहुत महत्वपूर्ण है कि व्यवसाय, रक्षा बलों तथा नौकरशाही सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका हो। अपने स्कूली दिनों की एक अविस्मरणीय याद साझा करते हुए गांधी ने कहा कि वह स्कूल में बहुत शरारती थे और हमेशा कुछ न कुछ गड़बड़ करते रहते थे। उन्होंने बताया कि उन्होंने बोर्डिंग स्कूल में पढ़ाई की थी।

गांधी ने कहा, मैं स्कूल में काफी खुश था। लेकिन मैंने अपने माता-पिता को यह यकीन दिला दिया था कि मैं बहुत दुखी हूँ, क्योंकि मैं चाहता था कि वे स्कूल आते रहें। इसलिए मेरे माता-पिता मुझसे मिलने आते रहते थे और उन्हें लगता था कि मैं बहुत दुखी हूँ, जबकि असल में, मैं काफी खुश था। यह एक यादगार घटना है। छात्रों से बातचीत के दौरान उन्होंने गुणवत्तापूर्ण सरकारी शिक्षा, शिक्षा के लिए बजट में आवंटन और सभी क्षेत्रों में रोजगार सृजन पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने तमिल भाषा में लोगों को पोंगल की शुभकामनाएं दीं।

विजय की फिल्म 'जन नायकन' को रोकर तमिल संस्कृति पर हमला कर रही केंद्र सरकार : राहुल गांधी

चेन्नई/नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि अभिनेता विजय की फिल्म 'जन नायकन' को रोकने की केंद्र सरकार की 'कोशिश' तमिल संस्कृति पर हमला है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तमिल लोगों की 'आवाज दबाने' में कभी कामयाब नहीं होंगे। राहुल का यह बयान तमिल फिल्म 'जन नायकन' के निर्माता के उच्चतम न्यायालय में मद्रास उच्च न्यायालय के एक अंतरिम आदेश को चुनौती देने के एक दिन बाद आया है। मद्रास उच्च न्यायालय ने फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाण बोर्ड (सीबीएफसी) से मंजूरी मिलने के एकल न्यायाधीश के आदेश पर रोक लगा दी थी। मद्रास उच्च न्यायालय ने नौ जनवरी को एकल न्यायाधीश के उस आदेश पर रोक लगा दी थी जिसमें सीबीएफसी को जन नायकन को तुरंत सेंसर प्रमाणपत्र देने का निर्देश दिया गया था, जिससे अभिनय की दुनिया से राजनीति में आए विजय की फिल्म का भविष्य अधर में लटक गया। राहुल गांधी ने एक पोस्ट में कहा, ''सूचना और प्रसारण मंत्रालय की 'जन नायकन' को रोकने की कोशिश तमिल संस्कृति पर हमला है।'' लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''मिस्टर मोदी, आप तमिल लोगों की आवाज दबाने में कभी कामयाब नहीं होंगे।'' केवीएन प्रोडक्शंस एलएलपी ने पिछले शुक्रवार को उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के आदेश के खिलाफ अपील की है, जिसने बोर्ड को फिल्म का प्रमाणपत्र जारी करने के एकल पीठ के निर्देश पर रोक लगा दी थी। विजय ने कुछ महीने पहले अपना राजनीतिक दल तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) बनाया है और 'जन नायकन' को विजय के राजनीति में पूरी तरह से प्रवेश से पहले उनकी आखिरी फिल्म के तौर पर बड़े पैमाने पर प्रचारित किया जा रहा है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार फिल्म पोंगल के अवसर पर 9 जनवरी को रिलीज़ होने वाली थी।

राहुल गांधी ने तमिलनाडु में पोंगल समारोह में भाग लिया, नृत्य में भी शामिल हुए

उधगमंडलम। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को यहां गुडलूर स्थित सेंट थॉमस इंग्लिश हाई स्कूल में आयोजित 'पोंगल' समारोह में भाग लिया। गांधी ने एक पारंपरिक नृत्य में भाग लिया और पोंगल (फसल कटाई) उत्सव के अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपराह्न तीन बजे गुडलूर पहुंचे और कार्यक्रम में शामिल हुए।

देसी बम निगलने से हथिनी की मौत, किसान गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। तमिलनाडु के इरोड जिले के सत्यमंगलम बाघ अभयारण्य में देसी बम निगलने से एक हथिनी की मौत हो गई, जिसके बाद इस मामले में एक किसान को गिरफ्तार किया गया। वन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ दिन पहले गुथियालाथुर आरक्षित वन क्षेत्र में गश्त के दौरान वन कर्मियों को दो साल की हथिनी मृत मिली, जिसके बाद वन पशु चिकित्सक को सूचना दी गई। सोमवार को अधिकारियों ने बताया कि हथिनी की सूंड और मुंह में खून बहने के निशान पाए गए। पशु चिकित्सक ने पोस्टमार्टम के बाद बताया कि हथिनी की मौत देसी बम निगलने से हुई। वन अधिकारियों को संदेह हुआ कि यह बम किसी शिकारी या खेतों में हाथियों को घुसने से रोकने के लिए किसी किसान ने वहां फेंका होगा। जांच के बाद इलाके के किसान कालीमुथु (43) को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि हथिनी के शव को उसी इलाके में दफना दिया गया है।

करूर भगदड़ मामला : सीबीआई ने टीवीके प्रमुख विजय को 19 जनवरी को फिर से तलब किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने तमिलगा वेत्री कषगम' (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय को करूर भगदड़ मामले के संबंध में दूसरे दौर की पूछताछ के लिए 19 जनवरी को तलब किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विजय से सोमवार को यहां सीबीआई मुख्यालय में छह घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी और उन्हें मंगलवार को फिर से आने के लिए कहा गया, लेकिन अभिनेता ने 'पोंगल' त्योहार का हवाला देते हुए दूसरी तारीख देने का आग्रह किया।

सीबीआई ने इस मामले में तमिलनाडु के पूर्व एडीजी (अपर महानिदेशक) (कानून-व्यवस्था) एस डेविडसन देवसिरवथम से भी पूछताछ की। सीबीआई ने अब तक टीवीके के कई पदाधिकारियों, विजय के ड्राइवर और कुछ पुलिस अधिकारियों से इस मामले में पूछताछ की है। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद संघीय एजेंसी ने विशेष जांच टीम (एसआईटी) से इस मामले को अपने हाथ में ले लिया और भगदड़ से संबंधित सबूत जुटा रही है। तमिलनाडु के करूर में 27 सितंबर, 2025 को भगदड़ में 41 लोगों की जान चली गई और 60 से अधिक लोग घायल हो गए।

पिछले साल अक्टूबर में, उच्चतम न्यायालय ने सीबीआई निदेशक को जांच का जिम्मा संभालने के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया था। न्यायालय ने सीबीआई जांच की निगरानी के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय पर्यवेक्षण समिति का भी गठन किया था।

विजय ने सीबीआई से भगदड़ मामले में पूछताछ स्थगित करने का अनुरोध किया : टीवीके नेता निर्मल कुमार

चेन्नई। टीवीके ने मंगलवार को दावा किया कि करूर भगदड़ मामले में कई खामियां हैं और इसके संस्थापक नेता विजय ने सीबीआई से अपनी पूर्व प्रतिबद्धताओं के कारण उनसे पूछताछ अगले सप्ताह तक स्थगित करने का अनुरोध किया है। इसने कहा कि विजय ने पूर्व प्रतिबद्धताओं में अपनी अंतिम फिल्म जन नायकन' के प्रदर्शन और फसल उत्सव पोंगल का भी हवाला दिया है। करूर भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी।

टीवीके महासचिव सीटीआर निर्मल कुमार ने यहां पत्रकारों से कहा, विजय 12 जनवरी को करूर भगदड़ मामले में सीबीआई के सामने गवाह के तौर पर पेश हुए। उन्होंने पोंगल त्योहार और अपनी फिल्म की रिलीज को देखते हुए पूछताछ पोंगल के बाद करने का अनुरोध किया। उन्हें पूछताछ की अगली तारीख के बारे में सूचित कर दिया जाएगा। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख आज दोपहर नयी दिल्ली से लौटे, जहां उनसे सीबीआई मुख्यालय में पिछले साल 27 सितंबर को उनकी रैली के दौरान हुई घटना के संबंध में छह घंटे तक पूछताछ की गई।

कुमार ने कहा, ''जैसा कि हम कहते आ रहे हैं, इस मामले में कई खामियां हैं। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने दावा किया कि करूर घटना के दौरान 607 पुलिसकर्मी ड्यूटी पर मौजूद थे, जबकि अतिरिक्त डीजीपी (कानून व्यवस्था) डेविडसन देवसिरवथम ने कहा कि उस समय 500 पुलिसकर्मी थे। जब संख्या में विसंगति हो, तो वास्तविक स्थिति की कल्पना कीजिए।'' 'जन नायकन' को सेंसर बोर्ड से प्रमाणन मिलने को लेकर जारी कानूनी लड़ाई पर उन्होंने कहा कि यह मुद्दा जल्द ही सुलझ जाएगा।

युवा देश का भविष्य, राजस्थान का गौरवः मुख्यमंत्री भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और राजस्थान का गौरव हैं। देश-विदेश के विकास में युवा शक्ति का अहम योगदान है। युवाओं की मेहनत एवं दृढ़ इच्छाशक्ति से ही विकसित भारत 2047 के सपने को साकार किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि वागड़ क्षेत्र आदिवासी बहुल क्षेत्र है तथा हमारी सरकार आदिवासियों के सशक्तीकरण के लिए निरन्तर निर्णय ले रही है। राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं से प्रत्येक वर्ग व क्षेत्र लाभान्वित हो रहा है तथा इनसे वागड़ क्षेत्र में भी विकास के नये आयाम स्थापित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान का हरिद्वार माने जाने वाला बेणेश्वर धाम एक ऐतिहासिक स्थल है। देश-प्रदेश में इस धाम की विशेष मान्यता है। हमारी सरकार आस्था के इस प्रमुख केन्द्र के संरक्षण, यहां आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करने तथा इसे संवारने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान बेणेश्वर धाम के सौन्दर्यीकरण को लेकर प्रस्तुतीकरण दिया गया। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर डूंगरपुर से आए युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान में निवेश अनुकूल नीतियों के कारण युवाओं को आईटी, उद्योग, स्टार्टअप सहित विभिन्न क्षेत्रों में नौकरियों के भरपूर अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी बहुल क्षेत्रों के युवाओं के सशक्तीकरण पर सरकार विशेष रूप से ध्यान दे रही है तथा इस क्षेत्र के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार ने अनेक योजनाए संचालित की हैं। उन्होंने वागड़ के युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे कौशल प्रशिक्षण सीखकर तकनीक अपनाएं और नवाचार करें जिससे वे रोजगार प्रदाता भी बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए। नशा परिवार तोड़ता है, करियर बर्बाद करता है, जीवन नष्ट करता है। अगर कोई मित्र नशे की तरफ जाए तो उसे रोकें। उन्होंने कहा कि प्रशासन एवं पुलिस के सहयोग से नशामुक्ति के लिए अभियान चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का सीमित उपयोग करें। साथ ही, सोशल मीडिया पर चल रही भ्रामक खबरों से बचें।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरन्तर निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि विगत दो वर्षों में युवाओं को एक लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई हैं तथा 1 लाख 43 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। हम युवाओं को 5 साल में निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार के अवसर देंगे तथा अब तक 2 लाख से अधिक रोजगार के अवसर दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के दो साल के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ तथा 351 परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हुई हैं, जिससे अब प्रदेश पेपरलीक मुक्त राजस्थान बन गया है।

शर्मा ने कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उद्यमिता के बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए हमारी सरकार मिशन मोड पर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के माध्यम से 18 से 45 वर्ष के लोगों को ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। साथ ही, नई युवा नीति जारी की गई है। इस नीति से शिक्षा और कौशल विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं का आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान में हुए 35 लाख करोड़ के एमओयू में से 8 लाख करोड़ के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं। इसका फायदा वागड़ क्षेत्र के युवाओं को मिलेगा। साथ ही, वागड़ क्षेत्र में रोजगार मेलों का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान हों। इस अवसर पर सागवाड़ा के विधायक शंकरलाल डेचा सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड : राजस्थान और हरियाणा में पारा शून्य के करीब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। उत्तर भारत के राज्यों में कोहरे और कड़ाके की ठंड के बीच कई क्षेत्रों में पारा शून्य के करीब पहुंच गया। मौसम विभाग कार्यालयों ने सोमवार को जानकारी दी कि हरियाणा के गुरुग्राम और पंजाब के बठिंडा में न्यूनतम तापमान 0.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि राजस्थान के फतेहपुर (सीकर) में पारा शून्य से 0.4 डिग्री नीचे तक गिर गया। फरीदाबाद और रेवाड़ी सहित एनसीआर क्षेत्र में पारा शून्य के करीब पहुंचने से जमीन की सतह पर पाला (बर्फ की परत) जम गया। गुरुग्राम में गाड़ियों के शीशों पर बर्फ जमी दिखी और सूखी घास सख्त हो गई। यह पाला ग्रामीण क्षेत्रों और खेतों में स्पष्ट नजर आया।

रिकॉर्ड के अनुसार, गुरुग्राम में 11 जनवरी 1971 को शून्य डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था। हालांकि, रविवार रात का तापमान सर्वकालिक रिकॉर्ड है या नहीं, यह डेटा की कमी के कारण स्पष्ट नहीं है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आने वाले दिनों में उत्तर भारत में भीषण ठंड और घना कोहरा जारी रहने की चेतावनी दी है। राजधानी दिल्ली में न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 4.2 डिग्री कम है। यह 2023 के बाद जनवरी का सबसे ठंडा दिन और शीतलहर का लगातार दूसरा दिन रहा।

दिल्ली में सोमवार को अधिकतम तापमान 20.6 डिग्री दर्ज किया गया। मंगलवार को भी कोहरा और शीतलहर जारी रहने का अनुमान है, जहां तापमान 4 से 20 डिग्री के बीच रहेगा। राजस्थान के कई जिलों में तापमान शून्य के करीब रहने से जनजीवन प्रभावित हुआ। राज्य के कई हिस्सों में रात का तापमान आठ डिग्री से नीचे रहा और भीषण शीतलहर चली। फतेहपुर के बाद बीकानेर का लूणकरणसर (0.4 डिग्री) और चूरू (1.3 डिग्री) सबसे ठंडे स्थान रहे। श्रीगंगानगर और करौली में भी पारा 1.5 डिग्री के आसपास रहा। कोहरे के कारण यातायात प्रभावित हुआ और लोग अलाव तापते नजर आए। मौसम विभाग ने अगले एक दिन तक सामान्य से भीषण शीतलहर की चेतावनी देते हुए बच्चों और बुजुर्गों को सावधानी बरतने को कहा है। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ (3.3 डिग्री) भी भीषण ठंड की चपेट में हैं। गुरुग्राम के निवासियों के अनुसार उन्होंने वर्षों में ऐसी ठंड नहीं देखी। चंडीगढ़ मौसम विभाग के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने बताया कि अगले तीन दिनों तक भीषण ठंड जारी रहेगी, जिसके बाद इसमें कुछ कमी आने की संभावना है। हरियाणा के नारनौल में पारा 1.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। किसानों के अनुसार, ओस गेहूं के लिए अच्छा है लेकिन सब्जियों और सरसों को नुकसान पहुंचा सकता है। वैज्ञानिकों ने फसलों को बचाने के लिए हल्की सिंचाई की सलाह दी है। कश्मीर में कड़ाके की ठंड से थोड़ी राहत मिली है, हालांकि डल झील के कुछ हिस्से जमे हुए हैं। श्रीनगर में पारा शून्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा जबकि पुलवामा शून्य से 6.5 डिग्री नीचे तापमान के साथ घाटी में सबसे ठंडा स्थान था।

हिमाचल प्रदेश में 16 जनवरी से बर्फबारी का अनुमान है। चंबा सहित सात जिलों में घने कोहरे और शीतलहर का 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। लाहौल-स्पीति का कुकुमसेरी सबसे ठंडा स्थान रहा जहां तापमान शून्य से 9.6 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, प्रयागराज और मेरठ सहित कई जिलों में भी ठंड का असर बना रहा। लखनऊ में शाम को तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में तापमान 13 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

शिक्षा जीवन परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े कहा कि सही शिक्षा वहीं है जो किताबी ज्ञान के साथ- साथ व्यक्ति का चारित्रिक और बौद्धिक विकास भी करे। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही जीवन को बदलने का माध्यम है एकाग्रता के साथ निरंतर अभ्यास और मेहनत से लक्ष्य प्राप्त करना विद्यार्थियों का ध्येय होना चाहिए। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े मंगलवार को डीडवाना में बांगड महिला महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में तकनीकी शिक्षा का अत्यधिक महत्व है, बालिकाओं को भी तकनीकी शिक्षा हासिल कर प्रतिभा का विकास करना चाहिये। उन्होंने कहा हमारे देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।

राज्यपाल बागड़े ने महाविद्यालय की बालिकाओं को ऑपरेशन सिंदूर में महिलाओं की भूमिका से प्रेरणा लेकर हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि बांगड महिला महाविद्यालय बालिकाओं को मुफ्त शिक्षा प्रदान कर रहा है। इस दौरान राज्यपाल ने पदक विजेता छात्राओं को डिग्री प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने महाविद्यालय की छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी से लेकर आज तक महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है, और वर्तमान में भी हर क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रही हैं और घर-परिवार के साथ- साथ हमारे देश के मान- सम्मान को आगे बढ़ा रही हैं।

इससे पूर्व राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने पंडित बच्छराज आदर्श विद्या मन्दिर पहुंच कर पंडित बच्छराज व्यास की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय के विद्यार्थियों को पंडित बच्छराज व्यास के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर देश व समाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

पंचायत राज में महिला आरक्षण पर पुरुषों ने जताई थी आपत्ति : राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डीडवाना। पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने पंचायत राज संस्थाओं में महिला आरक्षण को लेकर पुरुषों पर व्यंग्य करते हुए कहा कि जब उन्होंने महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया था, तब पुरुषों ने आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा कि उस समय कहा गया था कि महिलाओं को आरक्षण तो दे दिया, लेकिन क्या वे घूंघट से भी बाहर आ पाएंगी? श्रीमती वसुंधरा राजे ने कहा कि महिला आरक्षण लागू होने के बाद गांवों की महिलाएं घूंघट से बाहर आईं और उन्होंने जिला प्रमुख, प्रधान और सरपंच जैसे महत्वपूर्ण पदों को पूरी दक्षता और जिम्मेदारी के साथ संभाला। वे बांगड़ महिला महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के समय देश में महिला साक्षरता मात्र 9 प्रतिशत थी, जो आज बढ़कर करीब 70 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके बावजूद राजनीति में महिलाओं को अभी भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

श्रीमती राजे ने कहा कि पुरुषों की बराबरी के लिए महिलाओं को महिलाओं के लिए, महिलाओं के द्वारा अपने अधिकारों की रक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा कि जब श्रीमती प्रतिभा पाटिल और श्रीमती द्रौपदी मुर्मू देश के सर्वोच्च पद तक पहुंच सकती हैं, तो डीडवाना की बेटियां क्यों नहीं? कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं स्थानीय विधायक यूनुस खान और राजपाल शेखावत भी उपस्थित रहे।

जोधपुर एयरपोर्ट को जल्द मिलेगी 6 एयरोब्रिज की सौगात : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

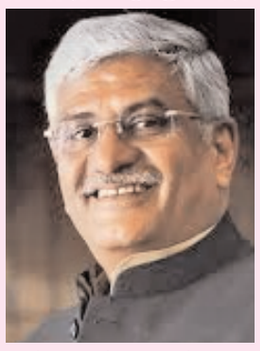

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जोधपुर एयरपोर्ट प्रदेश का पहला ऐसा एयरपोर्ट बनने जा रहा है, जिसमें 6 एयरोब्रिज होंगे। अब इंतजार खत्म होने वाला है और काउंटडाउन शुरू हो चुका है। मंगलवार को गृह जनपद पहुंचे केंद्रीय मंत्री शेखावत ने एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की। एलिवेटेड रोड से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और संबंधित एजेंसी को काम शुरू करने के लिए एक महीने का समय दिया गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से समय मिलते ही इसका औपचारिक शिलान्यास कर काम शुरू कर दिया जाएगा।

पर्यटन से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजनरी नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में किए गए इंफ्रास्ट्रक्चर विकास ने भारत को दुनिया के सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थलों की सूची में अग्रणी बना दिया है। उन्होंने कहा कि पर्यटन की पहली शर्त सुलभ आवागमन है। पिछले दशक में देश में 1.5 लाख किलोमीटर से ज्यादा नए नेशनल हाईवे, एक्सप्रेस-वे और सड़कें बनी हैं। 150 से ज्यादा फंक्शनल एयरपोर्ट्स के साथ एविएशन सेक्टर में एक नई क्रांति आई है। हाई-स्पीड रेलवे नेटवर्क और पूर्ण रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन ने पर्यटकों के अनुभव को सुगम बनाया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'स्वच्छ भारत मिशन' ने वैश्विक स्तर पर भारत के प्रति नजरिया बदला है। सरकार ने विभिन्न योजनाओं के तहत पर्यटन स्थलों पर सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए 7,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज पर्यटकों का 'ओवरऑल एक्सपीरियंस' पहले की तुलना में कहीं अधिक बेहतर और सुरक्षित हुआ है। आंकड़े साझा करते हुए शेखावत ने कहा कि पिछले एक वर्ष में 2 करोड़ से अधिक विदेशी पर्यटक भारत आए। घरेलू पर्यटन में अभूतपूर्व उछाल आया है।

जोधपुर-बेंगलूरु साप्ताहिक एक्सप्रेस का शुरू हुआ रानी स्टेशन पर ठहराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाली,। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा जोधपुर-बेंगलुरु-जोधपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस का रानी स्टेशन पर प्रायोगिक आधार पर आगामी आदेशों तक ठहराव दिया गया है। इस रेलगाड़ी का मंगलवार से रानी रेलवे स्टेशन पर ठहराव शुरू हो गया है। पाली जिला प्रभारी एवं नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा और पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को बेंगलुरु के लिए रवाना किया। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल कि इस ट्रेन संख्या 16534, बेंगलुरु-जोधपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस 13 जनवरी, मंगलवार को रानी स्टेशन पर सुबह 10.54 बजे पहुंची, जिसे दोनों मंत्रियों ने 10.56 बजे हरी झंडी दिखाकर जोधपुर के लिए रवाना किया। ट्रेन संख्या 16533, जोधपुर-बेंगलुरु साप्ताहिक एक्सप्रेस 14 जनवरी से रानी स्टेशन पर सुबह 8.42 बजे आगमन एवं 8.44 बजे प्रस्थान करेगी। उक्त ठहराव के अतिरिक्त संबंधित ट्रेन के अन्य सभी स्टेशनों पर आगमन एवं प्रस्थान समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। इसके साथ ही ट्रेन में आवागमन हेतु रानी स्टेशन से प्रस्थान व आगमन का रिजर्वेशन प्रारंभ कर दिया गया है।

सभा को संबोधित करते हुए मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने रानी स्टेशन पर 11वीं एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव के लिए रेल मंत्री अश्विनी कुमार वैष्णव का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले 65 वर्षों में जो विकास नहीं हो पाया, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार हुआ है। खर्रा ने यह भी कहा कि देश के 100 वर्ष पूर्ण होने तक भारत को हर क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र बनाया जाएगा। कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने इस ठहराव का श्रेय रेल मंत्री अश्विनी कुमार वैष्णव और पाली सांसद पी.पी. चौधरी को दिया। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से दक्षिण भारत में रहने वाले राजस्थान के प्रवासियों को आवागमन में आसानी होगी। कुमावत के अनुसार, यह ठहराव क्षेत्र के आर्थिक-सामाजिक विकास को भी गति देगा। इस अवसर पर रानी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने जोधपुर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी, लोको पायलट और रेलवे अधिकारियों का सम्मान किया।

घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय शिविरों के संबंध में दिए दिशा-निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक आशीष मोदी ने मंगलवार को प्रदेश के सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर घुमन्तु समुदाय (विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु) के लिए 31 जनवरी तक चलाए जा रहे सहायता शिविरों के संबंध में दिशा निर्देश दिए। विभाग के मुख्यालय अंबेडकर भवन से वीसी के जरिए सभी जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेते हुए मोदी ने कहा कि विभाग की कोशिश है कि घुमन्तु समुदाय के ज्यादा से ज्यादा लोगों को ऑनलाइन घुमन्तु पहचान प्रमाण पत्र जारी कर कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी जिलों के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की समस्त पंचायत समिति एवं नगरपालिका या नगर परिषद या नगर निगम में 31 जनवरी तक लगने वाले सहायता शिविरों में समुदाय की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करें। निदेशक ने कहा कि प्रत्येक कैम्प में समन्वय के लिए एक प्रभारी अधिकारी एवं दो-तीन ई-मित्र धारक रहें ताकि पहचान पत्र जारी करने में सुगमता रहे। उन्होंने शिविरों में विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय से आवेदन के समय कोई शुल्क नहीं लेने के निर्देश दिए।

मोदी ने कहा कि शिविरों में घुमन्तु समुदाय के व्यक्तियों के मतदाता पहचान पत्र आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र आदि बनवाने में सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक पंचायत समिति में एवं शहरी क्षेत्रों के स्थानीय परिस्थिति अनुसार 5-8 वार्ड का क्लस्टर बनाकर प्रत्येक क्लस्टर पर कैम्प आयोजित करवाने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त निदेशक अशोक जांगिड़, उप निदेशक सुश्रद्धा गौतम सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जयपुर में मकर संक्रांति पर 5 किलोमीटर क्षेत्र में पतंगबाजी पर रोक

जयपुर। 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर जयपुर में पतंगबाजी का उत्सव मनाया जाएगा, लेकिन सुरक्षा कारणों से शहर के कुछ क्षेत्रों में 5 किलोमीटर के दायरे में पतंग उड़ाने पर रोक रहेगी। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार, 14 जनवरी को सुबह 10-11 बजे तक हवा कमजोर रहेगी, जिसकी गति 4 किलोमीटर प्रति घंटा से भी कम हो सकती है।

दोपहर 11-12 बजे के बाद हवा की गति 4 से 8 किलोमीटर प्रति घंटा तक बढ़ेगी और दिशा में बदलाव पश्चिम से पूर्व की ओर होगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि दिन में आसमान साफ रहेगा, धूप निकलेगी और तापमान में मामूली बढ़ोतरी से सर्दी से राहत मिलेगी। जयपुर और आसपास के क्षेत्रों में इस दौरान पतंगबाजी का आनंद लिया जा सकेगा। 15 जनवरी को भी हवा पतंगबाजी के अनुकूल रहेगी।

युवा मन लगाकर पढ़ाई करें, सरकार हर कदम पर उनके साथ : भजनलाल शर्मा

जयपुर। एक लाख भर्तियों का कैलेण्डर जारी करने, दो वर्ष के कार्यकाल में एक लाख सरकारी नौकरियां देने के साथ ही पेपरलीकमुक्त राजस्थान बनाने का वादा पूरा होने पर मंगलवार को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बड़ी संख्या में युवाओं ने मुख्यमंत्री निवास पर पहुंचकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भी अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए उनसे वादा किया कि प्रदेश में अब सभी परीक्षाएं पारदर्शिता के साथ होंगी। युवा मन लगाकर पढ़ाई करें, सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

शर्मा ने कहा कि युवा राष्ट्र निर्माता हैं। इनके परिश्रम को सही दिशा देकर ही देश और प्रदेश का

तेजी से विकास संभव है। हमारी सरकार ने युवाओं को सौगात देते हुए 1 लाख भर्ती परीक्षाओं का कैलेण्डर जारी किया है। अब युवाओं को भर्तियों के लिए लम्बा इंतजार नहीं करना होगा। भर्ती परीक्षाएं समय पर होंगी और निष्पक्ष होंगी, जिससे युवाओं को उनके परिश्रम का फल अवश्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि भर्ती परीक्षाओं के कैलेण्डर के साथ-साथ नई युवा नीति एवं रोजगार नीति भी जारी की गई है, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के साथ ही स्वरोजगार एवं उद्यम में रुचि रखने वाले युवा भी लाभान्वित हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के हर क्षेत्र में प्रगति की अपार संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' तथा 'स्वदेशी' के आह्वान को आत्मसात करते हुए युवा रोजगार प्रदाता बनकर प्रदेश के विकास में अहम योगदान दें। उन्होंने कहा कि युवाओं को निजी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। निजी क्षेत्र में दो लाख से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं।

शर्मा ने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में पेपरलीक से लाखों युवाओं के सपने चकनाचूर हो गए। हमारी सरकार ने पेपरलीक प्रकरणों से प्रदेश को मुक्ति दिलवाई है। दो वर्षों में 351 परीक्षाएं बिना किसी गड़बड़ी के संपादित हुई हैं।

योगी की चेतावनी : अगर महिलाओं के खिलाफ अपराध किया तो होगी यमराज से मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि महिलाएं भयमुक्त वातावरण में शिक्षण संस्थान और बाजार जा सकें तथा चेतावनी दी कि अगर किसी गुंडे ने दुस्साहस किया तो अगले चौराहे पर उसकी मुलाकात यमराज से होगी। गोरखपुर महोत्सव को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार ने हर नौजवान को रोजगार, किसान को सम्मान और हर व्यापारी और उद्यमी को भय मुक्त वातावरण दिया है। उनकी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि युवतियां भयमुक्त वातावरण में स्कूल-कॉलेज और बाजार जा सकें तथा हंसते हुए आगे बढ़ें। उन्होंने चेतावनी दी, अगर किसी गुंडे ने दुस्साहस किया तो उस गुंडे के लिए अगले चौराहे पर यमराज उसका टिकट काटने के लिए जरूर बैठा होगा।

आदित्यनाथ ने गोरखपुर में 'जापानी इंसेफेलाइटिस' (दिमागी बुखार) बीमारी को लेकर कहा कि राज्य की पिछली सरकारें जो नहीं कर पाईं, उनकी सरकार ने मात्र दो साल में कर दिखाया और इस बीमारी का हमेशा के लिए खात्मा कर दिया। उन्होंने कहा, जब आज के गोरखपुर की तुलना 2017 से पहले के गोरखपुर से करेंगे, तो आपको ज़मीन-आसमान का फर्क नज़र आएगा... 2017 से पहले का गोरखपुर उपेक्षित, असुरक्षित था। जिस तरह पूरे राज्य में अशांति थी, वही हाल गोरखपुर का भी था। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां गुंडागर्दी, बदमाशों द्वारा जबरन वसूली, गंदगी, विकास का अभाव, बिजली की कमी और इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारियां फैली हुई थीं। उन्होंने दावा किया कि मच्छर और माफिया एक दूसरे के पूरक थे ।

आधुनिक तकनीक से हो रही उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा : निधि खरे

पटना/भाषा। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की सचिव निधि खरे ने मंगलवार को कहा कि देश में हो रही तीव्र आर्थिक वृद्धि के साथ यह हमारा दायित्व है कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा की जाए और उन्हें बेहतर सुविधाएं दी जाएं। उन्होंने कहा कि अब उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा आधुनिक तकनीक के माध्यम से भी की जा रही है।

खरे ने कहा कि उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में मंत्रालय लगातार काम कर रहा है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबर 1915 शुरू किया गया है, जिसकी मदद से पिछले वर्ष आठ महीनों के भीतर लगभग 45 करोड़ रुपए का रिफंड उपभोक्ताओं को दिलाया गया। उन्होंने बताया पहले उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान में औसतन 67 दिन लगते थे, लेकिन अब यह समय घटकर 21 दिन रह गया है। 'ई-जागृति' के माध्यम से उपभोक्ता आयोग में भी तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया गया है, जो भविष्य में एक मील का पत्थर साबित होगा। खरे ने पूर्वी राज्यों में उपभोक्ता संरक्षण पर आयोजित एक कार्यशाला में अपने संबोधन में कहा कि देश में दलहन की खपत बढ़ रही है और बिहार में दलहन का बड़े पैमाने पर उत्पादन किए जाने की जरूरत है। कार्यशाला में राज्य के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि हमें आम आदमी और उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखकर काम करना होगा। उपभोक्ताओं को त्वरित और पारदर्शी न्याय मिले, इसके लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

निर्वाचन आयोग ने बंगाल के 54 लाख 'वास्तविक मतदाताओं' को अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया: ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 54 लाख नाम एकतरफा तरीके से और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) की शक्तियों का दुरुपयोग करके हटाए गए। ममता ने दावा किया कि जिन मतदाताओं के नाम काटे गए, उनमें से ज्यादातर वास्तविक मतदाता थे, जिन्हें अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया, क्योंकि उन्हें नाम हटाए जाने के कारणों के बारे में बताया तक नहीं गया।

मुख्यमंत्री ने राज्य सचिवालय 'नबान्न' में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया, निर्वाचन आयोग ने दिल्ली में बैठकर, भाजपा की ओर से विकसित एआई सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर नाम हटाए। ये सॉफ्टवेयर एसआईआर डेटा में नामों के मिलान के दौरान हुई गड़बड़ियों के लिए जिम्मेदार हैं। इन्होंने उन महिलाओं के नाम हटा दिए, जिन्होंने शादी के बाद अपना उपनाम बदल लिया था।

ममता ने दावा किया कि यह तार्किक अंतर मूल एसआईआर सत्यापन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं था और इसे बड़ी संख्या में नाम हटाने के लिए बाद में शामिल किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा-निर्वाचन आयोग का गठजोड़ अंतिम मतदाता सूची से एक करोड़ और नाम हटाने की योजना बना रहा है।

ममता ने कहा, निर्वाचन आयोग ने बूथ स्तरीय एजेंट-2 (बीएलए-2) को एसआईआर संबंधी सुनवाई में शामिल होने की अनुमति नहीं दी है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस काम के लिए अपने कार्यकर्ताओं को इकट्ठा नहीं कर पाई।

ओडिशा के झारसुगुडा रेलवे स्टेशन पर लगी आग

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के झारसुगुडा रेलवे स्टेशन पर मंगलवार सुबह ओवरहेड उपकरण में खराबी आ जाने से आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आग लगने के कारण इस मार्ग पर ट्रेन सेवाएं कुछ समय के लिए बाधित रहीं, लेकिन इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि ओवरहेड उपकरण (ओएचई) तारों, इंसुलेटरों और सहायक संरचनाओं की एक प्रणाली है जो ट्रेनों में उच्च-वोल्टेज बिजली संचारित करती है। उन्होंने बताया कि सुबह 11 बज कर करीब 10 मिनट पर लगी आग स्टेशन की इमारत के कई कमरों में फैल गई। अधिकारी ने बताया कि करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि घटना के समय झारसुगुडा रेलवे स्टेशन पर मौजूद लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया।

जेब में सांप लेकर अस्पताल पहुंचा ई-रिक्शा चालक

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा जिले में हुई एक अजीबोगरीब घटना में एक ई-रिक्शा चालक अपनी जैकेट की जेब में सांप लेकर जिला अस्पताल पहुंच गया। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर नीरज अग्रवाल ने मंगलवार को बताया कि मथुरा नगर का निवासी ई-रिक्शा चालक दीपक (39) सोमवार को अपनी जेब में करीब डेढ़ फुट लम्बा सांप लेकर अस्पताल में आया और कहा कि इसी सांप ने उसे काटा है लिहाजा उसे 'एंटी वेनम इंजेक्शन' (जहर के प्रभाव से बचाने वाला इंजेक्शन) लगाया जाए। उन्होंने बताया कि दीपक से कहा गया कि वह सांप को अस्पताल के बाहर छोड़कर आये क्योंकि इससे दूसरे मरीजों को खतरा हो सकता है और उसके नहीं मानने पर पुलिस को बुलाया गया, जिसने सांप को एक डिब्बे में बंद कर दिया। अग्रवाल ने बताया कि उसके बाद दीपक को 'एंटी वेनम इंजेक्शन' दिया गया और वह अपने घर चला गया। हालांकि उन्हें शक था कि सांप दीपक का ही था। इस बीच, सोशल मीडिया मंच पर घटना का एक वीडियो भी प्रसारित हो रहा है।

मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए सुलह और मजबूत शासन व्यवस्था महत्वपूर्ण : राज्यपाल

इंफाल/भाषा। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने मंगलवार को राज्य में शांति स्थापित करने की कुंजी के रूप में सुलह और मजबूत शासन के महत्व पर जोर दिया। भल्ला ने एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए राज्य की मजबूती, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और राज्य को स्थिरता की ओर ले जाने में सुरक्षाबलों, नागरिक समाज और सामुदायिक हितधारकों के सामूहिक प्रयासों के बारे में बात की। उन्होंने कृषि, बागवानी, हथकरघा, हस्तशिल्प, पर्यावरण पर्यटन और खेल के क्षेत्र में मणिपुर की अपार संभावनाओं को भी रेखांकित किया। भल्ला ने राज्य के लोगों की उद्यमशीलता की भावना और वैश्विक मंच पर मणिपुरी एथलीट की उल्लेखनीय उपलब्धियों को भी प्रमुखता से रखा। उन्होंने राज्य के स्थिर और समृद्ध भविष्य को आकार देने के लिए शिक्षा, कौशल विकास, संपर्क और युवा सशक्तीकरण में अधिक निवेश का आह्वान किया।

वंदे भारत स्लीपर में नहीं होगी आरएसी, न्यूनतम किराया 400 किमी के लिए लागू होगा : रेलवे बोर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेलवे बोर्ड ने एक परिपत्र में कहा है कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में आरएसी या आंशिक रूप से कन्फर्म टिकटों का कोई प्रावधान नहीं होगा और न्यूनतम 400 किलोमीटर की दूरी के लिए शुल्क लगेगा। रेलवे बोर्ड ने एक परिपत्र में यह जानकारी दी। वंदे भारत ट्रेन के पहले शयनयान संस्करण को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 17 जनवरी को गुवाहाटी-कोलकाता मार्ग पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाना है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक जनवरी, 2026 को दोनों स्टेशनों के बीच एसी 1, एसी 2 और एसी 3 – तीनों श्रेणियों के लिए संभावित किरायों की घोषणा की थी। नौ जनवरी को जारी परिपत्र में किराया संरचना का विस्तृत विवरण दिया गया है, जिसके अनुसार एक यात्री को एसी 1, एसी 2 और एसी 3 श्रेणियों में क्रमशः 1,520 रुपए, 1,240 रुपए और 960 रुपए का भुगतान करना होगा, चाहे यात्रा की दूरी एक किमी से 400 किमी के बीच कितनी भी हो। परिपत्र के अनुसार, 400 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए, शुल्क की गणना प्रति किलोमीटर के आधार पर की जाएगी, जिसमें एसी 1 के लिए 3.20 रुपए, एसी 2 के लिए 3.10 रुपए और एसी 3 के लिए 2.40 रुपए होंगे। बोर्ड के परिपत्र में कहा गया, लागू होने पर माल एवं सेवा कर अलग से लगाया जाएगा। न्यूनतम शुल्क योग्य दूरी 400 किमी होगी। किराया मौजूदा नियमानुसार पूर्णांक (राउंड ऑफ) किया जाएगा। इस ट्रेन के लिए केवल कन्फर्म टिकट ही जारी किए जाएंगे। तदनुसार, 'रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसिलेशन' (आरएसी)/प्रतीक्षा सूची/आंशिक रूप से कन्फर्म टिकटों का कोई प्रावधान नहीं होगा। इसमें आगे कहा गया है, समय-समय पर जारी मौजूदा निर्देशों के अनुसार केवल महिला आरक्षण, दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) के लिए आरक्षण, वरिष्ठ नागरिक आरक्षण और ड्यूटी पास आरक्षण ही लागू होगा। इस ट्रेन में कोई अन्य आरक्षण कोटा लागू नहीं होगा। बर्थ आवंटन के संदर्भ में इसमें कहा गया, यदि कोई यात्री ऐसे बच्चे के साथ यात्रा कर रहा है जिसके लिए अलग बर्थ की आवश्यकता नहीं है, तो सिस्टम उपलब्धता के आधार पर नीचे की बर्थ आवंटित करेगा।

सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चलाया, बहाली के लिए संघर्ष जारी : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर मनरेगा योजना पर बुलडोजर चलाने का आरोप लगाया और लोगों से अपने 'मनरेगा बचाओ संग्राम' में शामिल होने का आग्रह किया। कांग्रेस ने 'मनरेगा बचाओ संग्राम' को काम, मजदूरी और जवाबदेही के संवैधानिक अधिकारों की बहाली के लिए एक राष्ट्रव्यापी संघर्ष करार दिया।

कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि 'मनरेगा बचाओ संग्राम' देशभर की 25 लाख ग्राम पंचायतों और करोड़ों लोगों तक पहुंचेगा। उन्होंने हिंदी में 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सरकार ने मनरेगा योजना को कुचल दिया है, जो भारत में करोड़ों लोगों के लिए जीवन रेखा बन चुकी है। यह राष्ट्रव्यापी संघर्ष इसी के खिलाफ है, काम, मजदूरी और जवाबदेही के संवैधानिक अधिकारों की बहाली के लिए है।'' उन्होंने लोगों से इस अभियान में शामिल होने का आग्रह किया। रमेश ने पोस्ट में एक लिंक साझा किया जिसके माध्यम से लोग 'मनरेगा बचाओ संग्राम' में शामिल हो सकते हैं। अभियान में शामिल होने वाले लोग पोर्टल पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी जाने वाली एक याचिका पर हस्ताक्षर भी कर सकते हैं।

याचिका में लिखा है, ''हम मनरेगा में हाल ही में किए गए उन बदलावों के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराते हैं, जिनसे गारंटीशुदा रोजगार और ग्रामीण सशक्तिकरण के इसके मूल वादे को कमजोर किया जा रहा है। मनरेगा करोड़ों परिवारों का संवैधानिक श्रम अधिकार है और इसे कमजोर नहीं किया जाना चाहिए। हमारी मांगें हैं: काम की गारंटी बहाल की जाए; न्यूनतम मजदूरी 400 रुपए प्रतिदिन की जाए; पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाया जाए, हम मनरेगा में निहित भावना और उसके उद्देश्य की रक्षा के लिए आपके तत्काल हस्तक्षेप का आग्रह करते हैं।''

एआईसीसी के महासचिवों, राज्य प्रभारी, सचिवों और संयुक्त सचिवों के साथ-साथ अन्य प्रमुख संगठनात्मक पदाधिकारियों को जारी एक पत्र में कांग्रेस के महासचिव और संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल ने 'मनरेगा बचाओ संग्राम' के तहत आयोजित विभिन्न गतिविधियों के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा उपयोग किए जा सकने वाले नारों की एक सूची साझा की है।

'मनरेगा थी 'लूट की गारंटी', विकसित भारत-जी राम जी में एक रुपए के भी भ्रष्टाचार की गुंजाइश नहीं'

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने जनता से नरेन्द्र मोदी सरकार की 'विकसित भारत-जी राम जी' योजना को लेकर हो रहे 'दुष्प्रचार' के प्रभाव में नहीं आने का आह्वान करते हुए कहा कि 'लूट की गारंटी' वाले 'मनरेगा' के विपरीत जी राम जी कानून में एक रुपए का भी भ्रष्टाचार होने की गुंजाइश नहीं है।

रीजीजू ने विकसित भारत-जी राम जी योजना को लेकर लखनऊ में प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि मनरेगा में दरअसल 'लूट की गारंटी' थी। उन्होंने दावा किया कि उसमें ऐसी व्यवस्था की गई थी जिसमें कुछ लोग तिकड़म करके करोड़ों रुपए लूट लेते थे।

मंत्री ने विपक्ष द्वारा मनरेगा को खत्म करके 'विकसित भारत- जी राम जी' योजना शुरू किए जाने का विरोध करने का जिक्र करते हुए कहा, ''दुष्प्रचार करने से कुछ नहीं होगा। जब संशोधित नागरिकता कानून लाया गया था, तब कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य पार्टियों ने दुष्प्रचार करके देश भर में मुसलमान को बरगलाने का काम किया कि नागरिकता कानून पारित होने से सारे मुसलमानों की नागरिकता छिन जाएगी।''

क्या भाजपा ने सीपीसी प्रतिनिधिमंडल के सामने चीनी घुसपैठ का मुद्दा उठाया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के एक प्रतिनिधिमंडल के यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्यालय का दौरा करने के घटनाक्रम को लेकर मंगलवार को भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस ने केंद्र में सत्तारूढ़ दल पर चीन के प्रति अपनी नीति में पाखंड दिखाने का आरोप लगाया और पूछा कि क्या वह इस तरह के दौरों के दौरान बार-बार होने वाले चीनी घुसपैठ का मुद्दा उठाती है।

कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी पार्टी केंद्र सरकार से उसकी चीन नीति पर पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग करती है। इसमें सीपीसी के प्रतिनिधियों और भाजपा/आरएसएस पदाधिकारियों के बीच बंद कमरे में हुई सभी बैठकों के एजेंडे, परिणाम और विवरण को सार्वजनिक किया जाना शामिल होना चाहिए। खेड़ा की यह टिप्पणी सीपीसी प्रतिनिधिमंडल के भाजपा मुख्यालय का दौरा करने के एक दिन बाद आई है, जिसका नेतृत्व उसके अंतरराष्ट्रीय विभाग के उप मंत्री सुन हैयान ने किया था। भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि बैठक के दौरान पार्टी महासचिव अरुण सिंह के नेतृत्व वाले भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के बीच अंतर-दलीय संचार को आगे बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। खेड़ा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले से सीपीसी प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात को लेकर भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि गैर-सरकारी तत्वों को राज्य की नीति को नियंत्रित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा, जहां तक होसबाले के साथ (सीपीसी प्रतिनिधिमंडल की) मुलाकात का मुद्दा है, तो हम हमेशा से यही कहते आए हैं कि इन गैर-सरकारी तत्वों को राज्य नीति को नियंत्रित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। आरएसएस पर्दे के पीछे काम करता है। यह एक गैर-पंजीकृत संगठन है और एक ऐसा गैर-पंजीकृत संगठन, जो खुलकर सामने आने में भी शर्म महसूस करता है, उसे राज्य नीति को नियंत्रित करने और इस तरह की बैठकें आयोजित करने की अनुमति क्यों दी जानी चाहिए?

जमीनी स्तर पर बीजद को मजबूत करने का प्रयास करें: पटनायक ने विधायकों से कहा

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने विधायकों से जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने और लोगों के साथ सीधा संपर्क बनाए रखने का आग्रह किया है। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधानसभा में विपक्ष के नेता पटनायक ने सोमवार शाम को नवीन निवास में पार्टी के 50 विधायकों में से 10 विधायकों के साथ निर्वाचन क्षेत्र के विकास, संगठनात्मक मामलों और जनता की शिकायतों पर बैठक की थी। उन्होंने बताया कि विपक्ष की मुख्य सचेतक और पूर्व विधायक प्रमिला मलिक भी बैठक में मौजूद थीं।

पार्टी के एक बयान में कहा गया है कि बीजद प्रमुख ने विधायकों को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों की नियमित रूप से निगरानी करने की सलाह भी दी। उन्होंने विधायकों से बीजद के आदर्शों और मूल्यों के अनुरूप जनता की सेवा करने का आग्रह किया।

सूत्रों ने बताया कि इस बैठक को पार्टी की उस रणनीति के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है जिसका उद्देश्य अपने विधायकों का मनोबल बढ़ाना और बीजद के भीतर एकता बनाए रखना है।

कोहली और रोहित रणनीति बनाने में सक्रिय तौर पर शामिल : कोटक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजकोट/भाषा। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मंगलवार को कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारी समेत भारत की दीर्घकालिन वनडे रणनीति बनाने में सक्रिय रूप से शामिल है ।

कोटक ने कहा कि दोनों सुपरस्टार बल्लेबाज मुख्य कोच गौतम गंभीर समेत टीम प्रबंधन के साथ जुड़े हुए हैं । उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे से पूर्व कहा ,'' वे रणनीति बनाते हैं । अब चूंकि वे एक ही प्रारूप खेल रहे हैं तो वे चाहते ऊँ कि भारत सारे मैच जीते ।'' उन्होंने कहा ,''दोनों के पास इतना अनुभव है कि वे बाकी खिलाड़ियों के साथ विचार साझा करते हैं और चर्चा करते हैं । वे गौतम के साथ वनडे प्रारूप पर बात करते हैं और दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप के लिए हमारी रणनीति पर भी ।'' कोटक ने कहा ,'' अधिकांश समय मैं वहां होता हूं और अगर मैं सुन रहा हूं तो वे अपना अनुभव साझा करते हैं । मैं उन्हें हमेशा बात करते हुए देखता हूं । सोशल मीडिया पर आप काफी चीजें ऐसी देखते हैं तो मैं देखने से बचता हूं । मैं जहां से देखता हूं, वहां बहुत कुछ सकारात्मक है ।'

पिछले कुछ महीने से कोहली, रोहित और नए कोचिंग ढांचे के आपसी समीकरणों को लेकर काफी अटकलें लगाई जाती रही हैं ।

कोटक ने कहा कि मार्च में टी20 विश्व कप खत्म होने के बाद भारत को 34वें ओवर के बाद एक नई गेंद के नियम को ध्यान में रखकर अपनी बल्लेबाजी पर फिर काम करना होगा ।

खेलने के हालात में बदलाव के बाद अब गेंदबाजी करने वाली टीम को 35वें से 50वें ओवर के बीच दो गेंदों में से एक चुननी होगी । उन्होंने कहा ,'' टी20 विश्व कप के बाद वनडे अधिक होंगे । हमें यह नया नियम ध्यान में रखना होगा कि 34वें ओवर के बाद सिर्फ एक गेंद रहेगी ।''

यौन कदाचार कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा : एनआरएआई प्रमुख कलिकेश

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय निशानेबाजी महासंघ के प्रमुख कलिकेश सिंह देव ने कहा कि यौन कदाचार को लेकर महासंघ की 'जीरो टॉलरेंस ' (शून्य सहिष्णुता) नीति है और राष्ट्रीय कोच अंकुश भारश्रे द्वारा एक नाबालिग निशानेबाज के कथित यौन उत्पीड़न के मामले की जांच कर रही एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग किया जायेगा ।

मोहाली के रहने वाले पिस्टल कोच भारश्रे के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम की धारा छह के तहत गंभीर यौन उत्पीड़न और भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(दो) के तहत आपराधिक धमकी का मामला दर्ज किया गया है। सत्रह वर्ष की एक निशानेबाज ने फरीदाबाद में प्राथमिकी दर्ज कराई है । पुलिस ने कहा कि अपराध शाखा की दो टीमें और महिला पुलिस थाना आरोपी की तलाश के लिए छापेमारी कर रही है। कलिकेश ने पीटीआई वीडियो से कहा,'' यह काफी संवेदनशील मामला है और एनआरएआई यह सुनिश्चित करने पर फोकस करता रहा है कि खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित प्रदर्शन वातावरण और कार्यस्थल पर सुरक्षित माहौल प्रदान करें ।'' उन्होंने कहा कि मामले का पता चलते ही एनआरएआई ने कोच को निलंबित कर दिया है । उन्होंने कहा ,'' चूंकि मामले की शिकायत सीधे पुलिस के पास की गई है तो जांच पुलिस ही कर रही है । एनआरएआई जांच में पूरा सहयोग करेगा । अगर हमारे पास शिकायत आती तो हम सीधे आंतरिक शिकायत समिति के पास भेजते । दोषी पाये जाने पर कानून के अनुसार उसे सजा दी जाती ।'' उन्होंने यह भी कहा कि किसी कोच के खिलाफ यौन उत्पीड़न की यह पहली शिकायत है । उन्होंने कहा ,'' एनआरएआई में पिछले चार या पांच साल में सिर्फ एक मामला हमारे सामने आया था जो प्रदेश महासंघ स्तर का था । सभी खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पर हस्ताक्षर करना अनिवार्य है जिसमें बताया गया है कि क्या स्वीकार्य है और क्या नहीं ।''

सुविचार

ज़िन्दगी की सबसे अच्छी किताब हम खुद हैं खुद को पढ़ लो सभी समस्यायों का हल मिल जाएगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सरकार ने समझी डिलीवरी बॉय की पीड़ा

केंद्र सरकार के दखल के बाद क्रिक कॉमर्स ऐप्स द्वारा 10 मिनट में डिलीवरी का नियम हटाए जाने का फैसला हजारों गिग वर्कर्स के लिए राहत लेकर आया है। इतने कम समय में डिलीवरी का वादा आकर्षक लगता है, ग्राहक ऑर्डर भी खूब करते हैं, लेकिन इसके साथ बड़ा जोखिम जुड़ा हुआ है। जो डिलीवरी बॉय सामान पहुंचाता है, वह भी इन्सान है। अगर वह जल्दबाजी में सामान लेकर जाएगा तो दुर्घटना की आशंका ज्यादा होगी। कई तो दुर्घटना के शिकार हो चुके हैं। हमारे शहरों में यातायात और सड़कों की हालत किसी से छिपी नहीं है। डिलीवरी बॉय के लिए हमेशा जोखिम रहता है, जो बरसात के मौसम में और बढ़ जाता है। अब सरकार ने इनकी पीड़ा समझी है। डिलीवरी बॉय अपने काम में सुरक्षा के हकदार हैं। उनके भी घर-परिवार हैं। वे कड़ी मेहनत करते हैं। दीपावली, क्रिसमस, नया साल और खास अवसरों पर उनकी व्यस्तता बहुत बढ़ जाती है। वे देर रात तक काम करते रहते हैं। इस दौरान थकान महसूस होना स्वाभाविक है। अगर 10 मिनट में डिलीवरी का लगातार दबाव रहेगा तो व्यक्ति जल्दबाजी करेगा। वह यातायात के नियमों तथा अपनी और दूसरों की सुरक्षा को कम प्राथमिकता देगा। अगर देर हुई तो वह नियमों का उल्लंघन करेगा। इससे सुरक्षा संबंधी जोखिम बढ़ेगा। रोजाना इसी तरह काम करते रहने से उसके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। ऐसी घटनाएं भी हुई हैं, जब डिलीवरी बॉय 10 मिनट में नहीं पहुंचा तो ग्राहक ने उसके साथ अच्छा बर्ताव नहीं किया।

ऑनलाइन शॉपिंग से लोगों के लिए बहुत सुविधा हो गई है। शहरों में कई परिवार ऐसे हैं, जो अपनी जरूरत का सारा सामान ऑनलाइन ही खरीदते हैं। दूध, सब्जी, किराने का सामान से लेकर कपड़े, जूते, किताबें, मोबाइल फोन, लैपटॉप तक ऑनलाइन खरीदे जा रहे हैं। इससे परंपरागत दुकानों के लिए कड़ी चुनौती पैदा हो गई है। अक्सर लोग कहते हैं कि जितने समय में हम घर से निकलकर दुकान तक पहुंचेंगे, उतने में तो सामान घर आ जाएगा! पिछले डेढ़ दशक में खरीदारी के तौर-तरीकों में बहुत बदलाव आए हैं। शुरुआत में ऑनलाइन शॉपिंग के बारे में कहा जाता था कि 'ऐसा सिर्फ विकसित देशों में हो सकता है, भारत के लोग इसे नहीं अपनाएंगे।' कुछ विशेषज्ञ यह कहकर इसका मजाक उड़ाते थे कि 'भारत में न तो पर्याप्त स्मार्टफोन हैं और न ही लोग डिजिटल पेमेंट करना जानते हैं, लिहाजा यहां ऑनलाइन शॉपिंग का कोई भविष्य नहीं है।' इस अवधि में भारतीय उपभोक्ता ने उन सभी विशेषज्ञों को गलत साबित कर दिया। अब तो ड्रोन से डिलीवरी की बातें हो रही हैं। आगामी दशक में यह क्षेत्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। इस कड़ी प्रतिस्पर्द्धा में परंपरागत दुकानें कितनी टिक पाएंगी? आज कई दुकानदारों के लिए किराया और सहायक का वेतन चुकाना मुश्किल हो गया है। पहले, त्योहारी सीजन में जितनी बिक्री होती थी, अब उसमें कमी आ गई है। दुकानदारों को यह बदलाव स्वीकार करते हुए खुद को तैयार करना होगा। कोई कंपनी विदेश से यहां आकर व्यापार के बड़े हिस्से पर कब्जा कर सकती है तो आप वर्षों तक अपने क्षेत्र में रहकर उससे बेहतर प्रदर्शन क्यों नहीं कर सकते? स्थानीय दुकानदारों को भी होम डिलीवरी की सुविधा शुरू करनी चाहिए। ईमानदार दुकानदार और मेहनती डिलीवरी बॉय व्यवसाय को आगे लेकर जा सकते हैं।

ट्वीटर टॉक

'मातृशक्ति' का स्नेहिल एवं करुणामय स्वरूप, पोकरण राजपरिवार की राजमाता श्रद्धेय श्रीमती शोभारानी जी चांपावत का देवलोकगमन हम सभी के लिए अपूरणीय क्षति है। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें ।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

आज मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं से भेंट की। आपकी आंखों में भविष्य के प्रति चमक और सरकार के प्रति अटूट भरोसा देखकर मुझे सेवा की और अधिक ऊर्जा मिलती है।

-भजनलाल शर्मा

मुझे गर्व है कि मेरे समय पंचायत राज संस्थाओं में महिलाओं को 50% आरक्षण दिया। उसके बाद गांव की महिलायें घूँघट से बाहर आई और जिला प्रमुख, प्रधान व सरपंच जैसे पद को उन्होंने बखूबी संभाला। जबकि पुरुषों का मत था कि आप महिलाओं को आरक्षण तो दे रही हा?

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

ब्राह्मण और सर्प

किसी नगर में हरिदत्त नाम का एक ब्राह्मण निवास करता था। उसकी खेती साधारण ही थी, अतः अधिकांश समय वह खाली ही रहता था। एक बार ग्रीष्म ऋतु में वह इसी प्रकार अपने खेत पर वृक्ष की शीतल छाया में लेटा हुआ था। सोए-सोए उसने अपने समीप ही सर्प का बिल देखा, उस पर सर्प फन फैलाए बैठा था।उसको देखकर वह ब्राह्मण विचार करने लगा कि हो-न-हो, यही मेरे क्षेत्र का देवता है। मैंने कभी इसकी पूजा नहीं की। अतः मैं आज अवश्य इसकी पूजा करूंगा। यह विचार मन में आते ही वह उठा और कहीं से जाकर दूध मांग लाया।उसे उसने एक मिट्टी के बरतन में रखा और बिल के समीप जाकर बोला, हे क्षेत्रपाल! आज तक मुझे आपके विषय में मालूम नहीं था, इसलिए मैं किसी प्रकार की पूजा-अर्चना नहीं कर पाया। आप मेरे इस अपराध को क्षमा कर मुझ पर कृपा कीजिए और मुझे धन-धान्य से समृद्ध कीजिए।इस प्रकार प्रार्थना करके उसने उस दूध को वहीं पर रख दिया और फिर अपने घर को लौट गया। दूसरे दिन प्रातःकाल जब वह अपने खेत पर आया तो सर्वप्रथम उसी स्थान पर गया। वहां उसने देखा कि जिस बरतन में उसने दूध रखा था उसमें एक स्वर्णमुद्रा रखी हुई है।उसने उस मुद्रा को उठाकर रख लिया। उस दिन भी उसने उसी प्रकार सर्प की पूजा की और उसके लिए दूध रखकर चला गया। अगले दिन प्रातःकाल उसको फिर एक स्वर्णमुद्रा मिली।इस प्रकार अब नित्य वह पूजा करता और अगले दिन उसको एक स्वर्णमुद्रा मिल जाया करती थी।

सामयिक

मकर संक्रांति : 12 संक्रांतियों में से सबसे शुभ

हर्षवर्धन पान्डे

हमारे हिन्दू पंचांग में एक वर्ष में कुल बारह संक्रांतियां होती हैं। मकर संक्रांति और कर्क संक्रांति दो अयनी संक्रांति हैं जिन्हें क्रमशः उत्तरायण संक्रांति और दक्षिणायन संक्रांति के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें पंचांग में शीतकालीन संक्रांति और ग्रीष्म संक्रांति के रूप में भी माना जाता है। जब सूर्य उत्तरी गोलार्ध में जाता है, तो छह महीने की समय अवधि को उत्तरायण कहते हैं और जब सूर्य दक्षिणी गोलार्ध में जाता है, तो शेष छह महीने की समय अवधि को दक्षिणायन कहते हैं। मेष और तुला संक्रांति दो विषुव संक्रांति हैं जिन्हें क्रमशः वसंत संपत और शरद संपत के नाम से भी जाना जाता है। इन दोनों संक्रांतियों के लिए, संक्रांति से पहले और बाद की पंद्रह घटी के क्षणों को कार्यों के लिए शुभ माना जाता है। सिंह , कुंभ, वृषभ और वृश्चिक संक्रांति, चार विष्णुपदी संक्रांति हैं। इन सभी चार संक्रांतियों के लिए संक्रांति से पहले के सोलह घटी क्षणों को कार्यों के लिए शुभ माना जाता है। मीन, कन्या, मिथुन और धनु संक्रांति, चार षडशीत-मुखी संक्रांति हैं। इन सभी चार संक्रांतियों के लिए, संक्रांति के बाद के सोलह घटी क्षणों को कार्यों के लिए शुभ माना जाता है।

मकर संक्रांति का उत्सव भगवान सूर्य की पूजा के लिए विशेष रूप से समर्पित है। भक्त इस दिन भगवान सूर्य की पूजा कर आशीर्वाद मांगते हैं। इस दिन से वसंत ऋतु की शुरुआत और नई फसलों की कटाई शुरू होती है। मकर संक्रांति पर भक्त यमुना, गोदावरी, सरयू और सिंधु नदी में पवित्र स्नान करते हैं और भगवान सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इस दिन यमुना स्नान और जरूरतमंद लोगों को भोजन दालें, अनाज, गेहूं का आटा और ऊनी कपड़े दान करना शुभ माना जाता है। भगवान सूर्य जब धनु राशि को छोड़ कर मकर राशि में प्रवेश करते हैं तो इसे उत्तरायण काल कहा जाता है। इस अवसर पर प्राणी जगत में एक नये परिवर्तन की शुरुआत होती है जिसे जीवंत बनाने के लिए त्यौहार एवं उत्सव आयोजित किये जाते हैं। मकर संक्रांति में वसुधैव कुटुम्बकम की पावन भावना सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार की तरह रहने का संदेश देती है। उत्तरायण काल से सूर्य की उत्तरायण गति प्रारंभ होती है इसलिए इसको उत्तरायणी भी कहते हैं। उत्तर भारत में इसे मकर संक्रांति, तमिलनाडु में पोंगल, कर्नाटक, केरल। आंध्र प्रदेश में इसे केवल संक्रांति कहते हैं। हरियाणा और पंजाब में इसे लोहड़ी के रूप में मनाया जाता है। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार, मकर संक्रांति के दिन, भगवान विष्णु ने राक्षसों के सिर काटकर और उन्हें एक पहाड़ के नीचे गाड़ दिया था और इस प्रकार उनके आतंक को हराया था जो नकारात्मकता के अंत का प्रतीक था। इसलिए यह दिन साधना, आध्यात्मिक अभ्यास या ध्यान के लिए बहुत अनुकूल है क्योंकि इस दिन वातावरण को 'चैतन्य', अर्थात 'ब्रह्मांडीय तेज़' से भरा हुआ माना जाता है। इसके अलावा मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव के प्रति एक विशेष पूजा भी अर्पित की जाती है जो अंधेरे पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। भक्त कृतज्ञता व्यक्त करने और समृद्ध फसल और उत्तरी गोलार्ध में सूर्य के प्रवेश के साथ सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने के लिए, आशीर्वाद मांगने हेतु अनेक अनुष्ठान करते हैं। मकर संक्रांति को भारत के विभिन्न हिस्सों में उत्तरायण के नाम से भी जाना जाता है।

देवभूमि उत्तराखण्ड में मकर संकांति की पहली रात्रि को जागरण की परम्परा है। इस दिन सात्विक भोजन के उपरान्त रात्रि काल में लोग आग जलाकर उसके चारों ओर बैठ जाते हैं और अपनी प्राचीन परम्परा एवं मर्यादाओं पर आधारित कथा-कहानियां तथा आदर्शों को याद करते हैं। प्रातःकाल नदियों, तालाबों, जल बाराओं पर जाकर सूर्योदय से पूर्व स्नान करते हैं और अपने पूर्वजों की पूजा करते हुए बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया जाता है। कूर्मांचल क्षेत्र में इसे महारानी जिया की जयन्ती के रूप में तथा घुघुतिया त्यौहार के रूप में भी मनाया जाता है। भगवान भास्कर के मकर में प्रवेश करने पर उत्तराखंड के कुमाऊं में घुघुतिया त्यार मनाया जाता है। मकर संक्रांति पर पवित्र नदियों में स्नान करने के साथ दान व पुण्य का महत्व तो है। कुमाऊं में मीठे पानी में से गूंथे आटे से विशेष पकवान बनाने का भी चलन है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल आदि क्षेत्रों में इस दिन गोधूलि के बाद आग जलाकर अग्नि पूजा करते हुए तिल, गुड़, चावल और भुने हुए मक्के की आहुति दी जाती है। इस सामग्री को तिलचौली कहा जाता है। इस अवसर पर लोग मूंगफली, तिल की गजक, रेवड़ियां आपस में बांटकर खुशियां मनाते हैं। बहुएं घर-घर जाकर लोकगीत गाते हुए मंगल गीत गाती हैं। नई बहू और नवजात बच्चे के लिए लोहड़ी का विशेष महत्व होता है। इसके साथ पारंपरिक मक्के की रोटी और सरसों के साग का भी लुत्फ उठाया जाता है। उत्तर प्रदेश में यह पर्व माघ मेले के नाम से जाना जाता है। 14 जनवरी से प्रयागराज में हर साल माघ मेले की शुरुआत होती है। 14 दिसम्बर से 14 जनवरी का समय खर मास के नाम से जाना जाता है। 14 जनवरी यानी मकर संकांति से अच्छे दिनों की शुरुआत होती है। माघ मेला पहला स्नान मकर संतति से शुरु होकर शिवरात्रि तक चलता है। संक्रांति के दिन स्नान के बाद दान करने का चलन है। मकर संक्रांति के अवसर पर उत्तराखण्ड के सभी तीर्थों में बड़ा मेले लगते हैं जिसमें बागेश्वर का उत्तरायणी मेला, गौचर मेला, देव प्रयाग मेला आदि प्रसिद्ध हैं।

गंगा, यमुना, सरयू, गोमती, रामगंगा, कौशिकी गंगा, अलकनंदा, भागीरथी आदि सभी

नदियों के पवित्र तटों पर स्नान, बयान, साधना व अनुष्ठान करने की परम्परा है। अनेक नदी तटों पर मेले भी लगते हैं। पुण्य स्नान रामेश्वर, चित्रशिला व अन्य स्थानों में भी होते हैं। इस दिन गंगा स्नान करके तिल के मिष्ठान आदि को ब्राह्मणों व पूज्य व्यक्तियों को दान दिया जाता है। उत्तर भारत के अनेक भागों में इस दिन खिचड़ी सेवन एवं खिचड़ी दान का अत्यधिक महत्व होता है। महाराष्ट्र में इस दिन सभी विवाहित महिलाएं अपनी पहली संकांति पर कपास, तेल, नमक आदि चीजें अन्य सुहागिन महिलाओं को दान करती हैं। तिल, गुड़ के हलवे के बांटने की प्रथा भी है। लोग एक दूसरे को तिल और गुड़ देते हैं और देते समय बोलते हैं- तिल गूल बया आणि गोड़ गोड़ बोला' अर्थात तिल गुड़ लो और मीठा मीठा बोलो। इस दिन महिलाएं आपस में तिल, गुड़, रोली और हल्दी बांटती हैं। असम में मकर संकांति को माघ-बिहू अथवा भोगाली-बिहू के नाम से मनाते हैं। राजस्थान में इस पर्व पर सुहागन महिलाएं अपनी सास का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। साथ ही महिलाएं किसी भी सौभाग्यसूचक वस्तु का चौदह की संख्या में पूजन एवं संकल्प कर दान देती हैं। अतः मकर संकांति के माध्यम से भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की झलक विविध रूपों में दिखती है। बंगाल में इस पर्व पर स्नान पश्चात तिल दान करने की प्रथा है। यहां गंगासागर में प्रति वर्ष विशाल मेला लगता है। मकर संक्रांति के दिन ही गंगाजी भागीरथ के पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होकर सागर में जा मिली थी। मान्यता यह भी है कि इस दिन यशोदा जी ने श्रीकृष्ण को प्राप्त करने के लिए व्रत किया था। इस दिन गंगासागर में स्नान-दान के लिए लाखों लोगों की भीड़ लगी होती है। लोग कष्ट उठाकर गंगा सागर की यात्रा करते हैं। वर्ष में केवल एक दिन मकर संक्रांति को यहां लोगों की अपार भीड़ होती है इसीलिए कहा जाता है- सारे तीरथ बार-बार गंगा सागर एक बार।'

तमिलनाडु में इस त्यौहार को पोंगल के रूप में चार दिन तक मनाते हैं। प्रथम दिन भोगी-पोंगल, द्वितीय दिन सूर्य-पोंगल, तृतीय दिन मट्टू-पोंगल अथवा केनू-पोंगल, चौथे दिन कन्या-पोंगल। इस प्रकार पहले दिन कूड़ा करकट इकट्ठा कर जलाया जाता है दूसरे दिन लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है और तीसरे दिन पूजा की जाती है। पोंगल मनाने के लिए स्नान करके खुले आंगन में मिट्टी के बर्तन में खीर बनायी जाती है, जिसे पोंगल कहते हैं। इसके बाद सूर्यदेव को प्रसाद भी चढ़ाया जाता है। उसके बाद खीर को प्रसाद के रूप में सभी ग्रहण करते हैं। इस दिन बेटी और जमाईं राजा का विशेष रूप से स्वागत किया जाता है।

मकर संक्रांति का त्यौहार कृषि से जुड़ा है।यह कटाई के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है। यह दिन, भारत में किसानों के लिए बहुत महत्व रखता है। इस त्यौहार को तमिलनाडु में पोंगल, असम में बिहू, पंजाब में लोहड़ी, उत्तरी राज्यों में माघ बिहू और केरल में मकर विलाक्कू के रूप में मनाया जाता है। किसान मानते हैं कि जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है तो यह सर्दियों के मौसम के अंत का प्रतीक होता है। यह आने वाले गर्म और लंबे दिनों की शुरुआत का भी प्रतीक है। यह खेतों में शीतकालीन फ़सलों के पकने के लिए भी अनुकूल समय होता है। इस त्यौहार से जुड़ी मुख्य फ़सल गन्ना है। इस त्यौहार के दौरान, तैयार किए जाने वाले कई पारंपरिक व्यंजनों में गुड़ का मुख्य रूप से उपयोग किया जाता है जो गन्ने से बनाया जाता है। इस फ़सल उत्सव को मनाने के लिए, भक्त, पवित्र नदियों, मुख्य रूप से गंगा में डुबकी लगाते हैं और इसके किनारे बैठकर तप, ध्यान और अनेक अनुष्ठान भी करते हैं। ऐसा भी कहा जाता है कि इस दिन भगवान भास्कर अपने पुत्र शनि से मिलने स्वयं उसके घर जाते हैं। चूंकि शनिदेव मकर राशि के स्वामी हैं अतः इस दिन को मकर संतति के नाम से जाना जाता है। महाभारतकाल में भीष्म पितामह ने अपनी देह त्यागने के लिए मकर संक्रांति का ही चयन किया था। मकर संक्रांति के दिन ही गंगा जी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होकर सागर में जा मिली थी।

शास्त्रों के अनुसार, दक्षिणायन को देवताओं की रात्रि अर्थात नकारात्मकता का प्रतीक तथा उत्तरायण को देवताओं का दिन अर्थात सकारात्मकता का प्रतीक माना गया है इसलिए इस दिन जप, तप, दान, स्नान, श्राद तर्पण आदि धार्मिक क्रियाकलापों का विशेष महत्व है। मकर संक्रांति के अवसर पर गंगा स्नान एवं दान को अत्यंत शुभ माना गया है। इस पर्व पर तीर्थराज प्रयाग और गंगा सागर में स्नान को महास्नान की संज्ञा दी गयी है। सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं लेकिन कर्क व मकर राशियों के जातकों में सूर्य का प्रवेश धार्मिक दृष्टि से अत्यंत फलदायक है। भारत उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है। मकर संक्रांति से पहले सूर्य दक्षिणी गोलार्द्ध में होता है अर्थात भारत से दूर होता है। इसी कारण यहां रातें बड़ी एवं दिन छोटे होते हैं। मकर संक्रांति के बाद से सूर्य उत्तरी गोलार्द्ध की ओर आना शुरू हो जाता है। अतः इस दिन से रातें छोटी एवं दिन बड़े होने लगते हैं और गर्मी का मौसम शुरू हो जाता है।

नजरिया

एकता के सूत्र में बांधने वाला पर्व मकर संक्रांति

अशोक प्रवृद्ध

मोबाइल : 7631057837

उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित भारत के अधिकांश पर्व- त्यौहार, व्रत, शुभ तिथियां चंद्रमा की गति को आधार मानकर भारतीय पंचांग के चांद्र मास के आधार पर निर्धारित किये व मनाये जाते हैं, लेकिन सूर्य की गति को देखकर सौर्य मास के आधार पर मनाया जाने वाला पर्व है- मकर संक्रांति। वर्ष भर में सूर्य के बारह राशियों 'मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन' में भ्रमण करने के क्रम में सूर्य के धनु से मकर राशि में प्रवेश करने की ख़ुशी में मनाया जाने वाला ऋतु पर्व है- मकर संक्रांति। ऋतु पर्व मकर संक्रांति दो ऋतुओं का संधिकाल है। यह शीत ऋतु के समाप्त होने और वसंत ऋतु के प्रारंभ होने का सूचक, द्योतक व प्रतीक है। मकर संक्रांति का महत्त्व सूर्य के उत्तरायण हो जाने के कारण है। शीतकाल के समाप्त होने पर सूर्य मकर रेखा का संक्रमण करते अर्थात काटते हुए उत्तर दिशा की ओर अभिमुख हो जाता है, इसे ही उत्तरायण कहा जाता है। दरअसल, मकर संक्रांति का पर्व सूर्य के उत्तरायण होने और मकर राशि में प्रवेश करने के शुभ अवसर पर मनाया जाने वाला त्यौहार है, जो देवताओं के दिन अर्थात देवयान की शुरुआत और शीतकाल के अंत का प्रतीक है। इस अवसर पर ज्ञान, आध्यात्मिक प्रकाश, बुद्धिमत्ता आदि के स्वामी सूर्य की पूजा, शुभ कार्य, स्नान-दान का विशेष महत्व है। यह सामाजिक सद्भाव के साथ ही रबी के नई फसल के आगमन और कृषि चक्र की शुरुआत का प्रतीक है, जिससे कृषक प्रसन्न होकर परमात्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। भगवान को धन्यवाद देते हैं और अपनी अनुकम्पा को सदैव लोगों पर बनाये रखने का आशीर्वाद मांगते हैं। मकर संक्रांति का त्यौहार तिथिवाचक न होकर अयन वाचक है। इस दिन सूर्य का मकर राशि में संक्रमण होता है। सूर्यभ्रमण के कारण होने वाले अंतर की पूर्ति करने हेतु प्रत्येक अस्सी (कुछ गणना 72 वर्ष बताते हैं) वर्ष में संक्रांति का दिन एक दिन आगे बढ़ जाता है। साधारणतः मकर संक्रांति 14 जनवरी को होती है। पिछले कुछ वर्षों से मकर संक्रांति का पर्व कभी 14 तो कभी 15 जनवरी को मनाया जाता रहा है। ज्योतिषीय आकलन के अनुसार सूर्य का धनु से मकर राशि में प्रवेश अर्थात

संक्रमण प्रतिवर्ष 20 मिनट के विलंब से होता है। हर तीन वर्ष के बाद सूर्य एक घंटे बाद और हर 72 वर्ष में एक दिन की देरी से मकर राशि में प्रवेश करता है। झारखण्ड के गुमला जिले के प्राचीन ग्राम मुरुनगुर वर्तमान मुरगु ग्राम निवासी पुरोहित व ज्योतिषाचार्य पं. विनोदानंद पाठक के अनुसार 14 जनवरी को मकर संक्रांति पहली बार 1902 में मनाई गई थी। इसके पूर्व 18वीं सदी में 12 और 13 जनवरी को मनाई जाती थी। वहीं 1964 में मकर संक्रांति पहली बार 15 जनवरी को मनाई गई थी। इसके बाद हर तीसरे वर्ष अधिकमास होने से दूसरे और तीसरे वर्ष 14 जनवरी को, चौथे वर्ष 15 जनवरी को मनाई जाने लगी। इस तरह 2077 में आखिरी बार 14 जनवरी को मकर संक्रांति मनाई जाएगी। इस वर्ष 2026 में ग्रहों के राजा सूर्य 14 जनवरी को दोपहर में 3:13 बजे मकर राशि में गोचर करेंगे। इसलिए इसी दिन मकर संक्रांति मनाई जाएगी।

सामान्यतः सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं, किन्तु कर्क व मकर राशियों में सूर्य का प्रवेश धार्मिक, आध्यात्मिक व साधकीय दृष्टि से अत्यंत फलदायक है। यह प्रवेश अथवा संक्रमण क्रिया छः-छः माह के अंतराल पर होती है। वैज्ञानिक दृष्टि से इसका मुख्य कारण पृथ्वी का निरंतर 6 महीनों के समय अवधि के उपरांत उत्तर से दक्षिण की ओर वलन कर लेना होता है। और यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार एक वर्ष में कुल 12 संक्रांतियां आती हैं। इनमें से मकर संक्रांति का महत्त्व सर्वाधिक है, क्योंकि यहीं से उत्तरायण का पुण्य, पवित्र व शुभ काल आरंभ होता है। उत्तरायण को देवताओं के काल के रूप में पूजा जाता है। वैसे तो इस संपूर्ण काल को ही पवित्र माना जाता है, परंतु इस अवधि का महत्त्व कुछ ज्यादा है। इसके बाद से उत्तर भारत में बढ़ी हुई सर्दी कुछ कम होने लगती है। और त्यौहार आदि आरंभ होते हैं। शीत ऋतु के अंत और लंबे दिनों की शुरुआत का प्रतीक मकर संक्रांति का यह पर्व सूर्योपासना, फसल कटाई, नए मौसम के स्वागत, खिचड़ी, तिल-गुड़ आदि के दान-पुण्य व सेवन और नदी स्नान, पतंगबाजी आदि सांस्कृतिक उत्सवों के माध्यम से मनाया जाता है, जिससे सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक लाभ की कामना की जाती है।

पौराणिक मान्यताओं में सक्रांति को देवता माना गया है। मान्यतानुसार संक्रांति ने संकरासुर दानव का वध किया था। किंक्रांति संक्रांति का अगला दिन होता है। इस दिन देवी ने किंकरासुर का वध किया था। यह पौराणिक कथा इसे देवी संक्रांति की बुराई पर विजय से जोड़ती है, जो विजय और नवीनीकरण के प्रतीक को पुष्ट करती है। एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार मकर संक्रांति के दिन ही गंगा भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं। मान्यतानुसार इस दिन भगवान सूर्य अपने पुत्र मकर राशि के स्वामी शनिदेव से मिलने स्वयं उनके घर जाते हैं, अर्थात मकर राशि में संक्रमण कर जाते हैं, जिससे पिता-पुत्र के संबंध मधुर होते हैं। इसलिए इस दिन को मकर संक्रांति के नाम से जाना जाता है। कथा के अनुसार भगवान सूर्य और शनि का संबंध अच्छा नहीं था। शनि ने अपने पिता सूर्य को ग्रहण लगा दिया था, जिससे सूर्य को बहुत दुःख हुआ। लेकिन मकर संक्रांति के दिन शनि ने अपने पिता को प्रणाम किया और उनका आशीर्वाद लिया। इससे सूर्य प्रसन्न हुए और उन्होंने शनि को आशीर्वाद दिया। इस प्रकार यह मेल-मिलाप और पारिवारिक सद्भाव का प्रतीक है। पिता-पुत्र के बीच के मतभेदों को दूर करने और एक-दूसरे का सम्मान करने की सीख देने का भी दिन है। यह साधना के लिए बहुत उत्तम समय होता है। इस दिन सूर्योदय से सूर्यास्त तक वातावरण अधिक चैतन्यमय होने से साधना करने वाले को इस चैतन्य का लाभ होता है। कर्क संक्रांति से मकर संक्रांति तक के काल को दक्षिणायन कहते हैं। उत्तरायण में मृत्यु को प्राप्त हुए व्यक्ति की अपेक्षा दक्षिणायन में मृत्यु हुए व्यक्ति की दक्षिण अर्थात यम लोक में जाने की संभावना अधिक होती है। यही कारण है कि महाभारत कालीन भीष्म पितामह ने अपने प्राण त्यागने के लिए इसी उत्तरायण काल (मकर संक्रांति) की प्रतीक्षा की थी, जिससे मोक्ष की प्राप्ति होती है। उत्तरायण काल को मोक्ष का मार्ग माना जाता है, इसलिए इस दौरान देह त्याग करने से मुक्ति मिलती है।

मकर संक्रांति से रथसप्तमी तक का काल पर्वकाल होता है। इस पर्वकाल में किया गया दान एवं पुण्यकर्म विशेष फलप्रद होता है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार इस दिन दान, जप और धार्मिक अनुष्ठानों का बहुत महत्व होता है। इस दिन दिया गया दान पुनर्जन्म के बाद सौ गुना प्राप्त होता है। इस दिन उपायन देने का भी विधान है। उपायन देना अर्थात तन, मन एवं धन से दूसरे जीव में विद्यमान देवत्व की शरण में जाना। संक्रांति काल साधना के लिए पोषक होता है। इसलिए इस काल में दिए जानेवाले उपायन से देवता की कृपा होती है और जीव को इच्छित फल की प्राप्ति होती है ।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

करूर भगदड़ मामले में अभिनेता विजय से सीबीआई ने की 6 घंटे तक पूछताछ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। टीवीके प्रमुख और दक्षिण भारत के फेमस अभिनेता विजय से सोमवार को करूर भगदड़ मामले में लगातार 6 घंटे तक पूछताछ की है। अभिनेता को सीबीआई दफ्तर से बाहर जाते हुए देखा गया और वे काफी परेशान भी दिखे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिनेता ने सीबीआई को पूछताछ में बताया है कि करूर में हुई भगदड़ में न तो उनकी पार्टी जिम्मेदार है और न ही खुद। अभिनेता विजय से लगातार करूर में हुई भगदड़ को लेकर सवाल किए गए और सवालों का सिलसिला 6 घंटों तक चला। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेता ने सीबीआई से जांच में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा है कि हादसे के लिए उनकी पार्टी जिम्मेदार नहीं है और न ही वे, बल्कि भगदड़ रोकने के लिए उन्होंने मंच से अपना भाषण भी रोक दिया

था और वहां से तुरंत निकल गए, ताकि परिस्थितियां ज्यादा खराब न हों। जांच एजेंसी पुलिस द्वारा दिए गए बयानों को भी अभिनेता के बयानों से मिलाने की कोशिश कर रही है, जिसमें दावा किया गया कि हादसा अभिनेता के देर से आने की वजह से हुआ था। अभिनेता के आने से पहले ही मौके पर सीमित संख्या से ज्यादा भीड़ थी, क्योंकि उनके आने की खबर सबको थी।

27 सितंबर, 2025 को करूर में एक राजनीतिक जनसभा के दौरान भगदड़ हुई थी, जिसमें 41 लोग मारे गए थे और 50 से अधिक घायल हुए थे। हादसे के बाद अभिनेता ने मृतक के परिवार को 20-20 लाख रुपए देने का ऐलान किया था और कुछ परिवारों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत भी की थी। विजय तीन दशकों से अधिक समय से तमिल सिनेमा के एक प्रतिष्ठित कलाकार हैं। उन्होंने 2024 में टीवीके राजनीतिक पार्टी की शुरुआत की थी। उन्होंने तमिल सिनेमा में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरुआत की थी, हालांकि कॉलेज की पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने अपनी मां द्वारा लिखी एक फिल्म में काम किया, जिसका नाम था नालैया थीरपु। फिल्म औसत रही लेकिन विजय को पहचान मिलने लगी थी। पहले उन्होंने कॉमेडी और रोमांटिक फिल्मों में काम किया लेकिन फिर सामाजिक विषयों पर बनी फिल्मों ने उन्हें असल पहचान दिलाई। फैंस विजय को प्यार से 'थलापति' बुलाने लगे।

रिहर्सल

गुवाहाटी मे लगभग 10,000 बागुरुम्बा डांसर मंगलवार को सरुसजाई स्टेडियम में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश के लिए रिहर्सल करते हुए।

जरूरी नहीं कि ग्रीनलैंड के विशाल प्राकृतिक संसाधन भारी मुनाफे में तब्दील हों

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन। अमेरिका एक बार फिर ग्रीनलैंड को लेकर धमकियां दे रहा है। विशाल द्वीप के प्राकृतिक संसाधन एक बार फिर चर्चा में हैं। इससे ठीक एक साल पहले तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज़ ने इसके बारे में घोषणा की थी कि यह महत्वपूर्ण खनिजों और प्राकृतिक संसाधनों के बारे में है। ग्रीनलैंड जीवाश्म ईंधन और महत्वपूर्ण कच्चे माल दोनों से समृद्ध है। यूरोपीय संघ द्वारा महत्वपूर्ण माने जाने वाले 34 कच्चे माल में से कम से कम 25 ग्रीनलैंड में मौजूद हैं। इन संसाधनों के मूल्य का अनुमान लगाना कठिन है क्योंकि तेल और महत्वपूर्ण कच्चे माल की कीमतें बहुत अधिक घटती-बढ़ती रहती हैं। वेनेजुएला के तेल की तरह ही, ग्रीनलैंड में प्राकृतिक संसाधनों के खनन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण में बहुत अधिक धन लगेगा।

खनन और जीवाश्म ईंधन परियोजनाएं पूंजी केंद्रित होती हैं, जिनमें परियोजनाओं से लाभ मिलने से पहले बड़ा प्रारंभिक निवेश और लंबा समय लगता है। ग्रीनलैंड की राजधानी नुउक के बाहर लगभग कोई सड़क अवसंरचना नहीं है और बड़े टैंकरों तथा कंटेनर जहाजों के लिए गहरे पानी के सीमित बंदरगाह हैं। विश्वभर में, निजी खनन और जीवाश्म ईंधन निगम अपने संचालन को लाभदायक बनाने के लिए सड़कों, बंदरगाहों, बिजली उत्पादन, आवास तथा विशेषज्ञ श्रमिकों जैसे सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का दोहन कर सकते हैं। ऐसे में सरकार के सामने एक जटिल दुविधा खड़ी हो जाती है। क्या निजी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को खनन करने की अनुमति दी जाए, लेकिन राजस्व का बड़ा हिस्सा खोना पड़ेगा? या फिर राज्य के स्वामित्व पर जोर दिया जाए, लेकिन खनन को संभव बनाने के लिए पूंजी और सरकारी क्षमता जुटाने में संघर्ष करना पड़ेगा?

ग्रीनलैंड की खनिज संपदा के बारे में काफी समय से जानकारी है। अप्रैल 2025 में, डेनमार्क के सरकारी प्रसारक डीआर ने एक वृत्तचित्र प्रसारित किया जिसमें दिखाया गया कि डेनमार्क ने ऐतिहासिक रूप से ग्रीनलैंड में क्रायोलाइट खदान से मुनाफा कैसे प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के कारण एक बड़ा राजनीतिक और मीडिया संकट उत्पन्न हो गया, क्योंकि कुछ लोगों का मानना था कि इसने डेनमार्क पर ग्रीनलैंड की वित्तीय निर्भरता की धारणा को चुनौती दी। ग्रीनलैंड और बाकी दुनिया के बीच संबंधों में खनिज एक महत्वपूर्ण लेकिन संवेदनशील विषय है। विदेशी कंपनियों ने दशकों से ग्रीनलैंड में व्यवहार्य खनन उद्योग स्थापित करने की कोशिश की है, लेकिन उन्हें इसमें कोई खास सफलता नहीं मिली है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों के विपरीत, अमेरिकी निगमों के पास लंबे समय से ग्रीनलैंड के खनन क्षेत्र में प्रवेश करने का अवसर रहा है।

अत्यधिक पूंजी निवेश और बेहद खराब जलवायु परिस्थितियों के कारण अब तक किसी भी कंपनी ने व्यावसायिक खनन गतिविधियां शुरू नहीं की हैं। ग्रीनलैंड की प्राकृतिक संसाधन मंत्री नाजा नतानिएल्सन ने 2025 में कहा था कि वह चाहती हैं कि खनन देश की मत्स्य पालन उद्योग पर अत्यधिक निर्भरता का एक बहुत अच्छा, स्थिर पूरक बने। फिर भी, 2021 में ग्रीनलैंड की नयी समाजवादी अताकतिगिट सरकार ने प्रदूषण के आधार पर यूरेनियम खनन पर प्रतिबंध लगा दिया। ऑस्ट्रेलियाई कंपनी एनर्जी ट्रांजिशन मिनरल्स (ईटीएम) ने 2023 में ग्रीनलैंड और डेनमार्क पर 76 अरब क्रोनर (8.9 अरब पाउंड) का मुकदमा दायर किया, जो ग्रीनलैंड के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग चार गुना के बराबर है।

'बॉर्डर 2' के रिलीज से पहले वरुण धवन ने होशियार सिंह दहिया के परिवार से की मुलाकात

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बॉर्डर 2' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में अभिनेता वरुण धवन मेजर होशियार सिंह दहिया का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म की रिलीज के पहले अभिनेता ने उनके परिवार संग मुलाकात की। इसकी कुछ तस्वीरें अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। इस मुलाकात में धानो देवी (होशियार सिंह की पत्नी) ने वरुण को सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। अभिनेता ने पोस्ट कर लिखा, पीवीसी होशियार सिंह दहिया जी की पत्नी धानो देवी जी और उनके बेटे कर्नल सुशील कुमार दहिया से मिलकर मैं खुद को बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उनका आशीर्वाद पाकर उनकी विरासत को आगे बढ़ाने का मौका मिलना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। मैं दिल से आभारी हूं। जय हिंद। अभिनेता की पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। फिल्म में वरुण धवन परमवीर चक्र विजेता मेजर होशियार सिंह दहिया का किरदार

निभा रहे हैं। मेजर होशियार सिंह दहिया 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अपनी बहादुरी के लिए मशहूर थे।

अपकमिंग फिल्म 'बॉर्डर 2' की बात करें तो यह 23 जनवरी को रिलीज हो रही है। यह 1997 की सुपरहिट फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल है, जिसे अनुराग सिंह ने निर्देशित किया है। फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी के साथ मोना सिंह, मेधा राणा, सोनम बाजवा और अन्या सिंह जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। 'बॉर्डर 2' का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है। इसे जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने टी-सीरीज के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। वॉर ड्रामा में इस बार वायुसेना और नेवी के योगदान को भी दिखाया जाएगा।

इजराइली फिल्म निर्माता डैन वोलमैन की नयी फिल्म 2012 के निर्भया कांड के विरोध प्रदर्शनों से प्रेरित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम। इजराइली फिल्म निर्माता डैन वोलमैन ने कहा कि उनकी नयी फिल्म मर्डर्स टू क्लोज, लव टू फार का विचार उन्हें 2012 में भारत यात्रा के दौरान आया, जब दिल्ली में एक फिजियोथेरेपी इंटर्न (निर्भया) के साथ हुए सामूहिक बलात्कार व उसकी हत्या के विरोध में व्यापक प्रदर्शन हो रहे थे। फ्लोच, माई माइकल, ऐन इजराइली लव स्टोरी और वैली ऑफ स्ट्रेंथ जैसी फिल्मों के लिए मशहूर वोलमैन ने भारतीय फिल्म निर्माता मंजू बोरा के साथ मिलकर इस 'मर्डर मिस्ट्री' का सह-निर्देशन किया है। यह ऐसी पहली फिल्म है जिसका सह-निर्माण भारत और इजराइली फिल्मकारों ने किया है। इसे 24वें पुणे अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (पीआईएफएफ) में प्रदर्शित किया जाएगा। वोलमैन ने कहा, 28 दिसंबर 2012 को, मैं अपनी फिल्म 'गेई ओनी (वैली ऑफ स्ट्रेंथ)' के साथ नयी दिल्ली अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में शामिल हुआ था। इससे कुछ दिन पहले, सामूहिक बलात्कार और हत्या की भयावह घटना हुई थी। उस घटना के बाद, मैंने दिल्ली की सड़कों पर मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा किए गए विशाल प्रदर्शन और रैलियां देखी थीं। उन्होंने बताया कि फिल्म 'मर्डर टू क्लोज - लव टू फार' का विचार तभी आया। उन्होंने कहा, मैंने असम में रहने वाली अपनी दोस्त मंजू बोरा को अपने इस विचार के बारे में लिखा और सौभाग्य से वह मेरे साथ फिल्म का सह-निर्माण और सह-निर्देशन करने के लिए सहमत हो गईं।

'हैप्पी पटेलः खतरनाक जासूस' में रूपा का किरदार निभाना रहा मुश्किल : मिथिला पालकर

मुंबई/एजेन्सी

'त्रिभंगा', 'कारवां' और 'चॉपस्टिक' जैसी फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री मिथिला पालकर के हाथ बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। अब मिथिला वीर दास और आमिर खान के साथ काम कर खुद को लकी महसूस कर रही हैं। अभिनेत्री मिथिला पालकर ने से खास बातचीत में फिल्म से जुड़े अनुभव शेयर किए और ये भी बताया कि आमिर खान के साथ काम करना कैसा लगा। 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में मिथिला पालकर ने महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। फिल्म को 'हां' करने के सवाल पर अभिनेत्री ने कहा कि न करने का सवाल ही पैदा नहीं होता है क्योंकि ये मेरे करियर की पहली कॉमेडी फिल्म है और फिल्म से इतने बड़े लोग जुड़े हैं, जिन्होंने अपने करियर में कमाल किया है। फिल्म आमिर खान के प्रोडक्शन में बन रही है और मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि फिल्म मेरे लिए भी बहुत अलग है। फिल्म में मेरा बोलने का तरीका, चलने का तरीका बिल्कुल अलग है। इस फिल्म के लिए मुझे खुद को अलग नजरिए से परखने का मौका मिला है।

फिल्म में मिथिला ने रूपा नाम की बोल्ड और बिंदास लड़की का रोल प्ले किया है। सेट पर शूटिंग के समय मिथिला को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ा क्योंकि कॉमेडी उनके लिए नया जॉनर है। उन्होंने कहा कि रूपा का किरदार निभाना मुश्किल रहा क्योंकि रूपा बोल्ड और बिंदास है, उसकी अलग दुनिया है और शूटिंग के दौरान अपशब्दों से भरे वाले डायलॉग्स मुश्किल रहे। सबसे ज्यादा मुश्किल था वीर को थप्पड़ मारना, क्योंकि रूपा एक ऐसा किरदार है जिसके अंदर

गिल्ट नहीं है। उन्होंने आगे बताया कि सेट पर वीर को थप्पड़ मारना था और गिल्ट भी महसूस नहीं करना था। चेहरे के एक्सप्रेशन बदलने भी काफी मुश्किल थे क्योंकि सीन कॉमेडी से भरे थे। लेकिन, वीर ने काफी मदद की थी। उन्होंने कहा था कि तुम सब अपनी लाइनों के साथ खेलो, कॉमेडी खुद-बा-खुद आ जाएगी। आमिर खान प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' का ट्रेलर दिसंबर में रिलीज हो चुका है और फिल्म 16 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

मां अंबा के चरणों में समर्पित दिखे सिंगर कैलाश खेर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज सिंगर कैलाश खेर अपने गानों से लेकर सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर छाए रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने फार्महाउस का प्यारा नजारा फोटोज के जरिए दिखाया था, जिसमें वे गाय की सेवा करते दिखे थे, लेकिन अब वे महाराष्ट्र की रानी मां अंबा देवी के दर पर सिर झुकाने पहुंचे हैं। उन्होंने मंदिर में दर्शन के बाद आस्था और भक्ति से भरी फोटोज को फैंस के साथ शेयर किया है। सिंगर कैलाश खेर ने इंस्टाग्राम पर भक्ति से सराबोर पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वे मां अंबा के चरणों में बैठा देखा जा सकता है। सिंगर के माथे पर तिलक और चेहरे पर सुकून वाली खुशी देखी जा सकती हैं। उन्होंने फोटोज शेयर कर लिखा, जो स्वयं महादेव की अर्धरूपिणी है, जिनके नाम पर है मुंबई नगरी - मुंबा आई,आई अर्थात मां यानिकि मुंबई, आज उनके मंदिर प्रांगण में दर्शन कर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा मां के सभी ब्राह्मण देवता तथा साधको से भेंट हुई। सिंगर का पोस्ट देखकर फैंस भी मां अंबा के नाम के जयकारे लगा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आप पर मां अंबा और महादेव की विशेष कृपा हमेशा बनी रहे, जय मां अंबे।

मां अंबादेवी को महाराष्ट्र की पालनहार और रक्षक के तौर पर देखा जाता है। मंदिर महाभारत काल से जुड़ा है। पौराणिक कथाओं की मानें तो इसी मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी ने भागकर विवाह किया था और मिलने के लिए भी मां अंबा मंदिर को चुना था। इतना ही नहीं, इस मंदिर के पास भगवान श्रीकृष्ण ने अपने रुक्मिणी के भाई रुक्मि, राजा भीष्मक को पराजित किया। बता दें कि इससे पहले सिंगर ने अपने लोनावला फार्म की शांति और सुंदरता से भरी फोटोज पोस्ट की थीं, जिसमें उन्होंने ऑर्गेनिक सब्जियां और नन्हें से गौवंश के दर्शन कराए थे। सिंगर का फार्महाउस गांव की सिंपल और सादगी से भरी जिंदगी की झलक पेश करता है। इससे पहले सोशल मीडिया पर प्यारी तस्वीरों के अलावा, हाल ही में उनके लाइव शो में जोरदार हंगामा देखने को मिला था, जहां शो देखने पहुंची भीड़ बेकाबू हो गई और तोड़फोड़ पर उतर आई, जिसके बाद पुलिस की मदद से भीड़ पर काबू पाया गया।

'हक' को लेकर करण जौहर ने जताया अफसोस, बोले- 'काश यह फिल्म सिनेमाघर में देख पाता'

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा में जब कोई बड़ी शख्सियत किसी फिल्म की खुलकर सराहना करती है, तो उस फिल्म पर दोबारा चर्चा शुरू हो जाती है। ऐसा ही कुछ हुआ है अभिनेत्री यामी गौतम की हालिया रिलीज फिल्म 'हक' के साथ। इस फिल्म को लेकर फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बेहद लंबा पोस्ट लिखा, जिसने इंडस्ट्री और दर्शकों दोनों का ध्यान खींचा। उनके इस पोस्ट पर यामी गौतम ने भी दिल से धन्यवाद देते हुए जवाब दिया, वहीं फिल्म के निर्देशक सुपर्ण एस वर्मा भी इस सराहना से भावुक नजर आए। करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में फिल्म 'हक' को एक बेहद सशक्त और भावनात्मक अनुभव बताया। उन्होंने लिखा, ''शाजिया बानो की कहानी और उसकी जीत ने मुझे रुला दिया। फिल्म खत्म होने के बाद मैं कुछ देर तक बोल नहीं पाया और जोरदार तालियां बजाईं। मुझे अफसोस है कि मैं इस फिल्म को सिनेमाघर में नहीं देख पाया।'' उन्होंने कहा, ''सालों बाद किसी अभिनय ने मुझे इतना झकझोर दिया। यामी गौतम का अभिनय सिर्फ शानदार या बेहतरीन कहना काफी नहीं है। उनकी खामोशी, उनकी नजरें, डायलॉग और पूरी फिल्म में उनका आत्मविश्वास अभिनय की एक मिसाल है। आपको मैं सलाम करता हूं यामी, मैं आपका जिंदगी भर फैन रहूंगा।''

इसके साथ ही उन्होंने निर्देशक सुपर्ण एस वर्मा की भी जमकर तारीफ की और कहा, ''उन्होंने फिल्म को बहुत संतुलित तरीके से निर्देशित किया, जहां भावनाओं पर

कभी बनावट हावी नहीं हुई।''करण ने अभिनेता इमरान हाशमी के अभिनय को उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ बताया और कहा, ''उन्होंने असंवेदनशील और अधिकार जताने वाले पति का किरदार इतने असरदार ढंग से निभाया कि दर्शक उनसे नफरत करने लगे हैं, और यही उनकी सफलता है।'' इसके अलावा करण ने फिल्म के निर्माताओं और लेखक की भी सराहना करते हुए इसे एक साहसी फिल्म बताया। करण जौहर के इस पोस्ट पर यामी गौतम, निर्देशक सुपर्ण एस वर्मा और अभिनेत्री सोन्या अयोध्या ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। यामी गौतम ने करण को धन्यवाद देते हुए लिखा, ''आपके शब्दों ने मुझे भावुक कर दिया है। मैं दिल की गहराइयों से आपका आभार व्यक्त करती हूं। आपकी सराहना मेरे लिए बहुत मायने रखती हैं।'' वहीं निर्देशक सुपर्ण एस वर्मा ने करण जौहर का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, ''यह सराहना मेरे और पूरी 'हक' की टीम के लिए दुनिया के बराबर है।'' अभिनेत्री सोन्या अयोध्या ने भी करण जौहर के पोस्ट की तारीफ की और कहा, ''मुझे खुशी है कि करण ने 'हक' जैसी फिल्म को सराहा। यह ऐसी फिल्म है जिसे कई लोग सिनेमाघर में नहीं देख पाए और बाद में दूसरे प्लेटफॉर्म पर सर्च कर रहे है। इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने का अनुभव मिलना चाहिए था।''

सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा थलपति विजय की 'जन नायकन' का सेंसर विवाद, रिलीज पर लगी रोक

नई दिल्ली/एजेन्सी

साउथ सुपरस्टार थलपति विजय की फिल्म 'जन नायकन' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। यह फिल्म उनके करियर का आखिरी बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है, लेकिन इस बीच फिल्म को लेकर कानूनी विवाद गहरा रहा है। फिल्म की रिलीज पहले ही कई बार टल चुकी है, और अब मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। पिछले सप्ताह मद्रास हाईकोर्ट ने फिल्म को यूए सर्टिफिकेट जारी करने के निर्देश दिए थे। अदालत ने स्पष्ट किया था कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के चेयरपर्सन का फिल्म को रिवाइजिंग कमेटी के पास भेजने का अधिकार अवैध था। कोर्ट के अनुसार, जब चेयरपर्सन ने सिफारिश की थी कि सर्टिफिकेट कट के बाद जारी किया जाएगा, तब उनका यह अधिकार स्वतः समाप्त हो गया था। इसके बाद निर्माताओं ने सर्टिफिकेट तुरंत जारी करने की मांग के साथ अदालत का रुख किया था। हालांकि, अब मद्रास हाईकोर्ट के इस फैसले को चुनौती देते हुए मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया है। उच्चतम न्यायालय में इस चुनौती के पीछे मुख्य दलील यह है कि फिल्म को रिलीज करने से पहले सभी प्रक्रियाओं का पालन करना आवश्यक है और किसी भी तरह के सर्टिफिकेट जारी करने या रोकने के फैसले पर समीक्षा की संभावना बनी रहनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल मामले की सुनवाई के

लिए तारीख तय नहीं की है, लेकिन इस कदम ने फिल्म के रिलीज को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है।

'जन नायकन' फिल्म को केवीएन प्रोडक्शंस ने निर्मित किया है और इसका निर्देशन एच. विनोथ ने किया है। फिल्म में थलपति विजय के साथ पूजा हेगड़े और ममिता बैजू प्रमुख भूमिकाओं में हैं। निर्माताओं ने बताया कि फिल्म को 22 देशों में चार भाषाओं में रिलीज करने की योजना है।

इस फिल्म की एडवांस बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी थी और दर्शकों में इसके लिए उत्साह और मांग बहुत अधिक है। फिल्म का सर्टिफिकेशन विवाद तब शुरू हुआ जब सीबीएफसी के एक सदस्य ने चेयरपर्सन को शिकायत भेजी। शिकायत में कहा गया कि फिल्म को यूए सर्टिफिकेट देने से पहले उनकी आपत्तियों पर ध्यान नहीं दिया गया। इसके बाद फिल्म रिवाइजिंग कमेटी के पास चली गई, और यही कारण था कि रिलीज बार-बार टलती रही। निर्माताओं ने अदालत में दलील दी कि फिल्म अभी तक किसी तीसरे पक्ष को दिखाई नहीं गई है और केवल शिकायत के आधार पर सर्टिफिकेट रोकना अनुचित और मनमाना है। मद्रास हाईकोर्ट ने पहले फिल्म के लिए यूए सर्टिफिकेट जारी करने के आदेश के साथ रिलीज का रास्ता साफ किया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में चुनौती ने इस रास्ते में नई बाधा पैदा कर दी है। फिल्म के निर्माताओं का कहना है कि किसी भी देरी से न केवल उनकी योजनाओं पर असर पड़ेगा बल्कि दर्शकों की उत्सुकता भी प्रभावित होगी। निर्माता और कलाकारों का मानना है कि फिल्म में केवल मामूली कट्स की सिफारिशें की गई थीं, जिन्हें पूरा कर लिया गया है, और अब इसे रिलीज करना ही उचित है।

पोंगल दिवस — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पोंगल के पूर्व 13 जनवरी को चन्द्रप्रभु जैन कॉलेज मिंजूर में पोंगल दिवस का आयोजन किया गया। पोंगल दिवस समारोह की ओर से प्रबंधन के सदस्य नेमीचंद एच. कटारिया (अध्यक्ष), सुरेश राठौड़ (संयुक्त सचिव), और हितेंद्र बी. मुनोथ (सदस्य), प्राचार्य डॉ. एन. सुजाता, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, स्टाफ सदस्य और छात्र समारोह में भाग लिया। परिसर रंग और खुशी से जीवंत हो उठता है क्योंकि छात्र पारम्परिक सुरुचिपूर्ण जातीय पोशाक में पहुंचे, जिससे उत्सव में जीवंतता आ गई। पारंपरिक मीठे पोंगल की तैयारी, प्रकृति और किसानों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। परंपरा के हिस्से के रूप में, तैयार पोंगल को श्रद्धापूर्वक भगवान कथिरावन (सूर्य देवता) को अर्पित किया जाता था, जो त्योहार के आध्यात्मिक महत्व को दर्शाता है।

जागरूकता के साथ मनाएं पोंगल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ग्रेटर चेन्नई महानगर पालिका और एक्नोरा इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वावधान में प्रदूषण मुक्त पोंगल का संदेश का आयोजन कुमाररानी मीना मुथैया कॉलेज ऑफ आर्ट एंड साइंस गांधीनगर अड्यार, एसकेपीडी बॉयज हाइयर सेकेंडरी स्कूल पेरिस में रैली का आयोजन किया गया।

रैली में करीबन 100 बच्चों ने भाग लिया। तमिलनाडु का पारंपरिक त्योहार आगामी 15 को मनाया जायगा, इस चार दिवसीय पोंगल फेस्टिवल के पहले दिन बोगी पोंगल मनाया जाता है इस दिन सुबह पुरानी वस्तु जलाने की परम्परा हे लेकिन धीरे धीरे इसमें बदलाव होता आया और वर्तमान में प्लास्टिक, टायर, आदि वस्तुएं भी जलाने लगे प्लास्टिक और टायर जलाने से वातावरण प्रदूषित होता है, जिसका असर आमजन के स्वास्थ्य पर भी पड रहा हैं। इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ मुथुकुमार प्रोग्राम ऑफिसर इनवायरमेंट डिपार्टमेंट गवर्मेंट ऑफ तमिलनाडु ने विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी की पुस्तक का विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नंदनम स्थित वाईएमसीए ग्राउंड में चल रहे 49 वें पुस्तक मेले में भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डॉ वी राम मनोहर द्वारा लिखित पुस्तक करुविल इरुंधु कलेक्टर वराई का विमोचन तमिलनाडु के पूर्व मुख्य सचिव आईएएस थिरु वी. इराई अंबु, द्वारा किया गया। वरिष्ठ आईएएस द्वारा लिखित यह पुस्तक विशेष रूप से युवाओं और सिविल सेवा उम्मीदवारों के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में तैयार की गई है, जो दृढ़ता, प्रभावी नेतृत्व और साधारण शुरुआत के बावजूद उत्कृष्टता की निरंतर खोज पर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करती है। पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान पुस्तक की पहली प्रतियां दो प्रतिष्ठित अतिथियों द न्यूज सर्कल के संस्थापक और बीबीसी वर्ल्ड सर्विस के पूर्व पत्रकार जयकुमार सुदंधिरपांडियन तथा साहित्य अकादमी के बाल साहित्य पुरस्कार से सम्मानित एवं प्रसिद्ध लेखक एस. बालाभारती, को प्रदान की गई। इस पुस्तक में वरिष्ठ नौकरशाह ने भारतीय प्रशासनिक सेवा में अपने पूरे करियर के दौरान सामने आई चुनौतियों, नैतिक दुविधाओं और सफलताओं का गहन चित्रण प्रस्तुत किया है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम की समागम बैठक आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कर्मचारी राज्य बीमा निगम हितधारकों, बीमित व्यक्तियों, नियोक्ताओं और लाभार्थियों की शिकायतों के निवारण के लिए सुविधा समागम बैठक आयोजित कर रहा है। सुविधा समागम का आयोजन 14 जनवरी को अपराह्न 2.30 बजे क्षेत्रीय कार्यालय, 143, स्टर्लिंग रोड, नुंगम्बाक्कम में किया जाएगा। हितधारकों (नियोक्ताओं, कर्मचारियों और लाभार्थियों) से अनुरोध है कि, वे अपनी शिकायतों का निवारण करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं। उक्त बैठक में हितधारकों के सुझावों और शिकायतों पर चर्चा की जाएगी।

प्रतिभागी को प्रमाण पत्र देते सत्राध्यक्ष डॉ. धींग

पोंगल पर्व — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में श्री वर्धमान जैन सेवा संघ (कोयंबटूर)के तत्वावधान में प्रतिवर्ष के भांति इस वर्ष भी पोंगल एवं संक्रांति पर्व विशाल रूप से मनाया गया। सेवा संघ के अध्यक्ष गौतम धारीवाल की अध्यक्षता में संघ के महासचिवि टाइगर खारीवाल के संयोजन में उपनगर ओराट्टूकुप्पै के पंचायत प्राथमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के साथ पर्व का आयोजन किया गया। इस मौके पर संरक्षक ज्ञानचंद खारीवाल, विक्रम रांका, संस्थापक राजेश कुमार गादिया आदि उपस्थित थे। इस मौके पारम्परिक पोंगल प्रसादी तैयार कर वितरत की गई।

सुख का राजमार्ग है संयम पथ : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ मैलापुर स्थित जैन स्थानक में श्री कपिल मुनि जी म.सा. के सानिध्य व श्री वर्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ मैलापुर के तत्वावधान में मुमुक्षु पदमचंद रांका का अभिनंदन किया गया। ज्ञातव्य है कि मुमुक्षु पदमचंद रांका संसार की असारता और जीवन की नश्वरता का बोध पाकर 1 फरवरी को गुरु गणेश की तपो भूमि जालना में जैन भागवती दीक्षा अंगीकार करने जा रहे हैं।

श्री कपिल मुनिजी म. सा. ने दीक्षार्थी पदमचंद रांका को हित शिक्षा देते हुए कहा कि सुख का राजमार्ग है संयम। आपने जिनशासन की सेवा में समर्पित होकर आत्म कल्याण के पथ पर अग्रसर होने का जो संकल्प लिया है वह अभिनंदन के योग्य है जिस श्रद्धा और समर्पण के भावों से संयम के राजमार्ग पर कदम बढ़ा रहे हो वही भाव जीवन की अन्तिम सांसों तक बरकरार रहे। यही मेरी मंगल मनीषा है।

अध्यक्ष शांतिलाल चौरड़िया ने बताया कि इस मौके पर मुमुक्षु पदमचंद रांका का मन्त्री विमलचंद खाबिया, युवा अध्यक्ष संजय सेठिया, दिलीप रांका आदि ने मैलापुर संघ की तरफ से शॉल माला द्वारा अभिनंदन किया।

सांस्कृतिक विरासत ग्रामेय पोंगल उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सामुदायिक भावना और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने वाला ग्रामेय पोंगल उत्सव 13 जनवरी को अन्ना नगर स्थित जयगोपाल गरोडिया विवेकानंद विद्यालय के परिसर में बड़े धूमधाम से मनाया गया। भोगी पर्व के साथ इसकी शुरुआत हुई। खो पूजा संपन्न हुई, जिसके बाद मंदिर में पूजा की गई। पोंगल पारंपरिक ढंग से बनाया गया।

सूर्य देव की पूजा की गई और प्रसाद वितरित किया गया। उपस्थित अतिथियों में प्रबंध न्यासी अशोक केडिया, न्यासी मेयप्पन, विशेष अतिथि सीताराम गोयल, पत्रकार विजय राघवन, रामास्वामी मेयप्पन, शैक्षणिक निदेशक जी विजयकुमार, पुस्तक बैंक समन्वयक केशवन और प्रधानाचार्य एम उमा शामिल थे।

छात्रों ने अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

अपरिग्रह का आधुनिक रूप है सीएसआर : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रुत रत्नाकर (अहमदाबाद), फेडरेशन ऑफ जैन एसोसिएशन इन नॉर्थ अमेरिका (जैना) एवं वर्ल्ड जैन कॉन्फेडरेशन (मुंबई) के संयुक्त तत्वावधान में गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में हाल ही संपन्न पाँचवें अंतरराष्ट्रीय जैन सम्मेलन में साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि मौजूदा सीएसआर का विचार अपरिग्रह का ही आधुनिक रूप है।

'व्यावसायिक नैतिकता और सीएसआर में जैन धर्म का योगदान' विषय पर उन्होंने कहा कि जैन समाज में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, स्वैच्छिक सामाजिक कर्तव्य के रूप में सदियों से विद्यमान है। यही वजह है कि परोपकार और देश की जीडीपी में आनुपातिक रूप से जैनों का योगदान सर्वाधिक है। डॉ. धींग ने कहा कि अपरिग्रह उत्पादन और अर्जन को बाधित नहीं करता, अपितु संविभाग और समवितरण पर जोर देता है। सत्राध्यक्ष के रूप में डॉ. धींग ने कहा, भगवान महावीर की व्रत व्यवस्था में व्यावसायिक नैतिकता सिर्फ मनुष्य तक सीमित नहीं, अपितु पशु-पक्षियों तक विस्तृत है। इसमें मानवाधिकार, पर्यावरण और जीव-जंतुओं की रक्षा पूरा ध्यान रखा गया है। सत्राध्यक्ष के रूप में उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

आचार्य नंदीघोष सूरीश्वर की निश्रा एवं डॉ. जितेंद्र बी. शाह के संयोजन में आयोजित इस वैश्विक आयोजन में दी जैन फाउंडेशन (बेंगलूरु) और वर्धमान चैरिटेबल फाउंडेशन (संयुक्त राज्य अमेरिका) भी सहभागी रहे। इसमें साध्वी स्मितप्रिया, समणी कुसुम प्रज्ञा, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, अतुल शाह, व्योम शाह, किंजल शाह, रविंद्र-दिनेश जैन एवं भारत के विभिन्न प्रदेशों तथा विश्व के अनेक देशों के विद्वान व श्रोता उपस्थित थे। हितांश ने संचालन किया।

केंगेरी पहुंचे मुनिश्री पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्य तुलसी महाप्रज्ञ सेवा केंद्र का प्रवास सम्पन्न कर डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी विहार करते हुए सुरेश दक के निवास स्थान केंगेरी पहुंचे। इस अवसर पर डॉ पुलकित कुमारजी ने कहा कि संत गंगा के समान होते हैं, जहां जाते हैं सभी को तृप्त करते हुए आगे बढ़ते हैं।

संतों का सान्निध्य एवं पदार्पण भाग्यशालियों को ही मिलता है। सुरेश दक ने मुनिश्री का स्वागत करते हुए कहा कि मुनिश्री का 21 दिवसीय प्रवास हम श्रावक समाज के लिए प्रेरणादायी और यादगार रहेगा। मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में बुधवार को आध्यात्मिक मंत्र आराधना अनुष्ठान का आयोजन एमबीआर संग्रीला अपार्टमेंट में होगा।

पाकिस्तान और इंडोनेशिया ने रक्षा सहयोग पर चर्चा की

इस्लामाबाद। जकार्ता के जेएफ-17 थंडर जेट खरीदने में रुचि रखने वाले देशों की सूची में शामिल होने की खबरों के बीच पाकिस्तान और इंडोनेशिया ने रक्षा सहयोग पर चर्चा की।

सेना की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल शफरी शम्सुद्दीन (सेवानिवृत्त) ने सोमवार को रावलपिंडी स्थित जनरल हेडक्वार्टर (जीएचक्यू) में फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर से मुलाकात की। बयान के अनुसार, बैठक में आपसी हित के मामलों, क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा की बदलती परिस्थितियों और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के तरीके तलाशने पर ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों पक्षों ने पाकिस्तान और इंडोनेशिया के बीच संबंधों को मजबूत करने, प्रशिक्षण सहयोग और रक्षा औद्योगिक सहयोग के महत्व पर भी जोर दिया।

गजिंदर दवे बने जेसीआई बेंगलूरु गार्डन सिटी के नए अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जूनियर चेंबर इंटरनेशनल बेंगलूरु गार्डन सिटी का 36वाँ पदस्थापन एवं सदस्य प्रवेश समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर गजिंदर दवे ने वर्ष 2026 के अध्यक्ष के रूप में नेतृत्व संभाला।

समारोह में पूर्व अध्यक्ष दिलीप जैन ने शपथ दिलवाई जिसमें जोन 14 के अध्यक्ष प्रज्वल जैन प्रवेश अधिकारी के रूप में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ईआईएमआर बिज़नेस स्कूल के संस्थापक दीपक कुमार की उपस्थिति में सचिव यश दुगड़ व कोषाध्यक्ष यश चोपड़ा ने पदभार संभाला।

अध्यक्ष गजिंदर दवे ने 'राइज़ टू एक्सेल 2026' का विज़न प्रस्तुत किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.